website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 344 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 20 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

मदीना हादसे पर भारत ने जताया दुख, उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब के मदीना के पास भारतीय तीर्थयात्रियों से जुड़ी भीषण दुर्घटना पर भारत ने गहरा दुख व्यक्त किया है। 17 नवंबर 2025 को हुए इस हादसे में कई भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि कई घायल बताए गए। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि घटना के बाद भारत का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब रवाना होगा।

विदेश मंत्रालय ने जताया शोक, परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मदीना के निकट भारतीय तीर्थयात्रियों के साथ हुई इस दुखद दुर्घटना ने देश को गहरे शोक में डाल दिया है। मंत्रालय ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सरकार ने आश्वासन दिया है कि पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

अब्दुल नज़ीर के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सऊदी दौरे पर

हज एवं उमरा मंत्रालय और अन्य सऊदी अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए रखने, राहत उपायों की निगरानी करने और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने के लिए आंध्र प्रदेश के राज्यपाल न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नज़ीर के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को सऊदी अरब पहुंचेगा।

प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्रालय के सचिव अरुण कुमार चटर्जी भी शामिल होंगे। टीम मृतकों के अंतिम संस्कार में भी भाग लेगी और परिवारों की हर संभव मदद में सहयोग करेगी।

भारतीय दूतावास और महावाणिज्य दूतावास सक्रिय, पार्थिव अवशेषों की पहचान तेज

भारतीय दूतावास (रियाद) और भारतीय महावाणिज्य दूतावास (जेद्दा) स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर मृतकों की पहचान और आवश्यक औपचारिकताओं को तेजी से पूरा करने में जुटे हैं। सरकार मृतकों के परिजनों की सऊदी यात्रा की सुविधा भी उपलब्ध करा रही है ताकि वे अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में शामिल हो सकें।

मदीना में शिविर कार्यालय स्थापित, प्रभावित परिवारों को त्वरित सहायता

इससे पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि मदीना स्थित भारतीय हज यात्री कार्यालय में विशेष शिविर कार्यालय स्थापित किया गया है, जो पीड़ित परिवारों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराएगा। यह कार्यालय सरूर तैयबा अल-दहबिया होटल के प्रथम तल, कमरा संख्या 104, अल मसानी, मदीना 42313 में संचालित हो रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार इस त्रासदी से प्रभावित नागरिकों की सहायता के लिए पूरी तरह समर्पित है और त्वरित एवं प्रभावी राहत सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्यरत है।

रियाद–वॉशिंगटन मेगा समझौता:
परमाणु करार और एफ-35 डील पर ऐतिहासिक सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) सात साल बाद अमेरिका पहुंचे, जहां उन्होंने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इस मुलाकात ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को नई दिशा देते हुए कई बड़े और ऐतिहासिक समझौतों का मार्ग प्रशस्त किया।

सऊदी को मिलेंगे 48 एफ-35एस फाइटर जेट

दौरे का सबसे बड़ा आकर्षण रक्षा सौदों की ऐतिहासिक घोषणा रही। अमेरिका ने सऊदी अरब को 48 एफ-35एस फाइटर जेट बेचने की मंजूरी दे दी है। खास बात यह है कि अब तक यह अत्याधुनिक लड़ाकू विमान केवल इजरायल को दिए गए थे, इसलिए यह डील मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक संतुलन में अहम बदलाव ला सकती है। इसके साथ ही करीब 300 उन्नत अमेरिकी टैंकों की डिलीवरी पर भी दोनों देशों ने अंतिम सहमति जताई है।

परमाणु ऊर्जा और एआई पर बड़ी साझेदारी

रक्षा समझौते के अलावा अमेरिका और सऊदी अरब ने सिविल न्यूक्लियर एनर्जी पर संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर

किए। व्हाइट हाउस के मुताबिक, दोनों देशों ने असैन्य परमाणु ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज ढांचा, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एमओयू पर भी महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। साथ ही अमेरिका-सऊदी रणनीतिक रक्षा समझौता (SDA) दोनों देशों के सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती प्रदान करेगा।

इजरायल को पहले से दी गई जानकारी

एफ-35 समझौते को लेकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति से पूछा गया कि इजरायल की प्रतिक्रिया क्या है, तो ट्रंप ने कहा कि इजरायल को इस डील के बारे में पहले ही जानकारी दे दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका सऊदी और इजरायल दोनों का "अच्छा दोस्त" है और यह डील क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखकर की गई है।

अमेरिका में सऊदी निवेश बढ़कर 1 ट्रिलियन डॉलर होगा

आर्थिक संबंधों पर भी इस मुलाकात का बड़ा प्रभाव दिखाई दिया। क्राउन प्रिंस एमबीएस ने घोषणा की कि सऊदी अरब का अमेरिका में निवेश 600 अरब डॉलर से बढ़कर 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचेगा। यह दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को नई ऊंचाई देगा।

सऊदी को मिला मेजर नॉन-नाटो एलाय का दर्जा

क्राउन प्रिंस के सम्मान में आयोजित भव्य डिनर के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने सऊदी अरब को मेजर नॉन-नाटो एलाय (MNNA) का दर्जा देने की घोषणा की। अब तक अमेरिका यह विशेष दर्जा केवल 19 देशों को दे चुका है। इससे यह संकेत मिलता है कि वॉशिंगटन और रियाद के रिश्ते अब नए भरोसे और सहयोग के युग में प्रवेश कर रहे हैं।

बिहार: नीतीश कुमार चुने गए एनडीए विधायक दल के नेता

-20 नवंबर को लेंगे सीएम पद की शपथ

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत मिली। अब नई सरकार के गठन की कवायद शुरू हो गई है। इसे लेकर एनडीए के नवनिर्वाचित विधायकों

की बुधवार को बैठक हुई, जिसमें नीतीश कुमार को नेता चुना गया। इसके बाद यह तय हो गया कि नीतीश कुमार ही गुरुवार को गांधी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

विधानसभा के सेंट्रल हॉल में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया

बिहार विधानसभा के सेंट्रल हॉल में हुई बैठक में एनडीए घटक दलों के सभी नवनिर्वाचित विधायक मौजूद हुए। इसके अलावा, कई बड़े नेता भी शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया। इसके बाद वरिष्ठ नेताओं ने सीएम नीतीश कुमार को नेता चुनने पर बधाई दी।

भाजपा की बैठक में सम्राट चौधरी को नेता और विजय कुमार सिन्हा को उप नेता चुना गया

इससे पहले भाजपा और जदयू के विधायक दल की अलग-अलग बैठक हुई थी। भाजपा की बैठक में जहां सम्राट चौधरी को नेता और विजय कुमार सिन्हा को उप नेता चुना गया, वहीं नीतीश कुमार को जदयू विधायक दल का नेता चुना गया।

पटना के गांधी मैदान में 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा

पटना के गांधी मैदान में 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसे लेकर गांधी मैदान में व्यापक तैयारी चल रही है। इस समारोह में आम से लेकर खास लोगों के जुटने की संभावना को देखते हुए उसी तरह की तैयारी की जा रही है।

एक दिन पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को गांधी मैदान पहुंचकर नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी का जायजा लिया था

एक दिन पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को गांधी मैदान पहुंचकर नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी का जायजा लिया था। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को प्रस्तावित है।निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने मंच पर अतिथियों के बैठने की व्यवस्था एवं अन्य उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली थी।

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 202 सीटें मिली हैं

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 202 सीटें मिली हैं। भाजपा ने 89 सीटों पर जीत दर्ज की। दूसरे नंबर पर नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) 85 सीटों के साथ है। वहीं, चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति (आर) ने 19 पर जीत दर्ज की, जो एनडीए में तीसरे नंबर की सबसे बड़ी पार्टी और पूरे बिहार में चौथे नंबर की पार्टी है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा को चार सीटों पर जीत मिली है।

गाजा संघर्ष विराम पर सहमति:
मिस्र, ब्रिटेन और अरब लीग ने यूएन प्रस्ताव का समर्थन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा पट्टी में चल रहे संघर्ष को रोकने और स्थायी शांति की दिशा में कदम बढ़ाने के प्रयास तेज हो गए हैं। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के बीच फोन पर हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के हालिया प्रस्ताव पर तुरंत आगे बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया।

गाजा में तनाव कम करने और युद्धविराम मजबूत करने की आवश्यकता

मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने माना कि गाजा में युद्धविराम को स्थायी बनाने और तनाव को कम करने के लिए आगे की ठोस कार्रवाइयों की जरूरत है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सोमवार को यूएनएससी ने अमेरिका द्वारा तैयार किए गए एक प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसके तहत गाजा में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल (ISF) की तैनाती की अनुमति दी गई है। यह बल पुनर्निर्माण, सुरक्षा और मानवीय सहायता से जुड़े कामों में सहयोग करेगा। सदस्य देश इस बल में अपने-अपने कर्मचारी भेजेंगे और इसकी गतिविधियां मिस्र तथा इजरायल के परामर्श से संचालित होंगी।

शर्म अल-शेख बैठक के निष्कर्षों पर आगे कदम जरूरी

बातचीत के दौरान सिसी और स्टारमर ने यह भी कहा कि अक्टूबर में मिस्र में हुई शर्म अल-शेख बैठक के निष्कर्षों को लागू करने की दिशा में त्वरित कदम उठाए जाने चाहिए। दोनों नेताओं का मानना है कि गाजा के लोगों तक मानवीय सहायता जल्द से जल्द पहुंचनी चाहिए और पुनर्निर्माण का कार्य भी तत्काल शुरू होना चाहिए। स्टारमर ने दोहराया कि मानवीय राहत बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

अरब लीग: "यूएन प्रस्ताव अंत नहीं, नई शुरुआत"

उधर, अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल-घीत ने यूएनएससी के हालिया प्रस्ताव को गाजा संकट के समाधान की दिशा में "रास्ते की शुरुआत" बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाइयों में बदलने की जरूरत है, ताकि फिलिस्तीनी जनता के जीवन में वास्तविक सकारात्मक परिवर्तन आ सके। अबुल-घीत ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राष्ट्र की स्थापना के लिए आवश्यक मार्ग की ओर संकेत करता है।

युवा सम्मेलन में शामिल हुए RSS चीफ मोहन भागवत: 'अगर मुसलमान और ईसाई भारत में भक्ति करते हैं तो वे भी हिंदू'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत बुधवार को तीन दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे, जहां उन्होंने युवा सम्मेलन से जुड़े एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अपने संबोधन के दौरान भागवत ने राष्ट्र, संस्कृति और भारतीय पहचान पर बड़ा बयान दिया, जिसे उन्होंने सभ्यतागत दृष्टिकोण से समझाया।

"मातृभूमि की भक्ति और पूर्वजों का सम्मान करने वाले सभी लोग हिंदू" — भागवत

कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा कि भारत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नायकों को पूरा देश सम्मान देता है। उन्होंने कहा, "शिवाजी महाराज को पूरे भारत में माना जाता है, राणा प्रताप को पूरे भारत में माना जाता है। बुद्ध बिहार के थे, महावीर बिहार के थे—वे सब हमारे गौरव के प्रतीक हैं। मातृभूमि की भक्ति रखने वाले, पूर्वजों का सम्मान करने वाले और इस संस्कृति की विरासत को आगे बढ़ाने वाले सभी लोग हिंदू हैं।" उन्होंने स्पष्ट किया कि 'हिंदू' शब्द केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है।

"हिंदू धर्म केवल खान-पान या पूजा-पद्धति का नाम नहीं"

भागवत ने कहा कि हिंदू संस्कृति समावेशी है और विविधता को साथ लेकर चलती है। उन्होंने कहा, "अपनी पूजा-रीति बदले बिना मुसलमान और ईसाई भी अगर इस देश की भक्ति करते हैं, भारत की संस्कृति और पूर्वजों को मानते हैं, तो वे भी हिंदू हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि भारत को "हिंदू राष्ट्र" घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं, क्योंकि इसकी सभ्यतागत प्रकृति पहले से ही इसे दर्शाती है।

आरएसएस का उद्देश्य विरोध नहीं, राष्ट्र निर्माण — भागवत

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि संघ की स्थापना किसी का विरोध करने के लिए नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र को सशक्त वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाने के उद्देश्य से हुई थी।

उन्होंने कहा, "विविधता के बीच भारत को एकजुट करने की पद्धति को ही आरएसएस कहा जाता है।"

असम में जनसांख्यिकीय बदलाव, धर्मांतरण और जनसंख्या नीति पर भी बोले भागवत

भागवत ने असम में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को लेकर सतर्कता और आत्मविश्वास की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने अवैध घुसपैठ, संतुलित जनसंख्या नीति—जिसमें हिंदुओं के लिए तीन बच्चों का सुझाव भी शामिल है—और विभाजनकारी धर्मांतरण के खिलाफ जागरूक रहने की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के जिम्मेदाराना इस्तेमाल की जरूरत है, खासकर युवाओं के बीच।

पूर्वोत्तर को बताया भारत की विविधता में एकता का प्रतीक

मोहन भागवत ने लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसी महान हस्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सिर्फ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से राष्ट्र निर्माण के लिए सामूहिक और निःस्वार्थ भाव से काम करने की अपील की।

पीएम मोदी ने किरेन रिजिजू को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, केंद्रीय मंत्री ने जताया आभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि रिजिजू संसदीय कार्यवाही को अधिक प्रोडक्टिव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने जनहितैषी कानूनों और समावेशी विकास के प्रति रिजिजू की प्रतिबद्धता की भी सराहना की।

रिजिजू ने जताया प्रधानमंत्री मोदी का आभार

पीएम मोदी के संदेश के बाद किरेन रिजिजू ने उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की उत्साहवर्धक शुभकामनाएं उनके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और 'विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करती हैं। रिजिजू ने कहा कि पीएम के मार्गदर्शन में वे राष्ट्र के उत्थान के लिए पूरी निष्ठा से अपना योगदान देंगे।

अमित शाह और अन्य मंत्रियों ने भी दी शुभकामनाएं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी 'एक्स' पर पोस्ट कर रिजिजू को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणाली को मजबूत बनाने में रिजिजू के प्रयास उत्साहजनक हैं। शाह ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवन की कामना की।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी रिजिजू को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए दीर्घायु की कामना की।

अरुणाचल प्रदेश के नाखू गांव में हुआ जन्म

किरन रिजिजू का जन्म 19 नवंबर, 1971 को अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के नाखू गांव में एक बौद्ध परिवार में हुआ। वे एक राजनीतिक रूप से सक्रिय परिवार से आते हैं और छात्र जीवन से ही सार्वजनिक मामलों में गहरी रुचि रखते रहे हैं।

चार बार के सांसद और राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका

रिजिजू 31 वर्ष की आयु में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य बने। साल 2004 में वे पश्चिम अरुणाचल से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। वे अब तक चार बार सांसद रह चुके हैं और 18वीं लोकसभा में तीन बौद्ध सांसदों में से एक हैं। संसदीय कार्य मंत्री के रूप में वे संसद की उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों के लिए लगातार चर्चा में बने रहते हैं।

पीयूष गोयल ने उद्यमियों से मुलाकात कर 'विकसित भारत 2047' का रोडमैप किया साझा

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को उद्यमियों के साथ मुलाकात कर 'विकसित भारत 2047' के साझा विज़न पर विस्तृत चर्चा की। एक्स पर पोस्ट करते हुए गोयल ने कहा कि बैठक के दौरान "ग्रोथ, इनोवेशन और विकसित भारत 2047 के विज़न को आगे बढ़ाने में हर स्टेकहोल्डर की भूमिका पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।" इससे पहले उन्होंने भारत मंडपम में निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ Ease of Doing Business बेहतर बनाने और निवेश बढ़ाने पर बातचीत की। गोयल ने कहा कि नीति की निरंतरता, नियामकीय स्पष्टता और डिजिटल अनुमोदनों में तेजी से निवेश माहौल और मजबूत होगा।

उन्होंने दोहराया कि भारत एक पारदर्शी, अनुमानित और इनोवेशन-ड्रिवन इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो दीर्घकालिक निवेश को समर्थन देगा और देश को वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में और मजबूत करेगा। मंगलवार को मंत्री ने Trade Intelligence and Analytics (TIA) Portal भी लॉन्च किया, जिसके जरिए exporters, importers, startups और MSMEs को व्यापक ट्रेड डेटा उपलब्ध होगा। अब छोटे उद्यमियों को भी वही डेटा मिलेगा, जो पहले केवल बड़े व्यापारिक संस्थानों तक सीमित था। गोयल ने कहा कि वैश्विक सर्विस सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं और यह पोर्टल उन अवसरों को देश के कारोबारियों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि यह प्लेटफ़ॉर्म व्यापार विविधीकरण, नए उत्पाद क्षेत्रों की पहचान और Free Trade Agreements के बेहतर उपयोग में मदद करेगा। TIA Portal एक कम लागत वाला, ओपन-सोर्स और स्केलेबल समाधान है, जिसे लंबे समय तक इस्तेमाल में आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके लिए किसी सॉफ्टवेयर लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है और केवल न्यूनतम सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर लागत लगती है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

रेजांग लॉ के अमर वीर: राष्ट्र रक्षा के संकल्प का पावन दिवस

यह दिन सिर्फ कैलेंडर में दर्ज एक तारीख नहीं, बल्कि भारत के वीरों के अमर साहस, कर्तव्यनिष्ठा और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम का स्मारक है। आज पूरा देश रेजांग लॉ के उन अमर शहीदों को नमन कर रहा है, जिन्होंने 18 नवंबर 1962 को इतिहास की ऐसी मिसाल पेश की, जिसकी तुलना दुनिया का कोई युद्ध नहीं कर सकता। रेजांग लॉ की 18 हजार फीट ऊँची बर्फ़ीली चौकियों पर भारतीय सेना की 13 कुमाऊं रेजीमेंट के 120 वीर जवानों ने चीन के करीब 1300 सैनिकों को रोकते हुए न सिर्फ दुश्मन को भारी नुकसान पहुँचाया, बल्कि दिखा दिया कि भारतीय सैनिक आखिरी दम तक अपनी धरती से पीछे नहीं हटते। यह वह युद्ध था जिसमें हर सैनिक मृत्यु को भी चुनौती देता हुआ अंत तक डटा रहा। इस वीरगाथा ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत की सीमाओं की ओर उठी हर नज़र का जवाब उसके वीर जवान अपने खून से लिखने की ताकत रखते हैं। रेजांग लॉ दिवस हमें याद कराता है कि आज की हमारी स्वतंत्रता कितनी ऊँची कीमत पर मिली है। यह दिन हमें बताता है कि हर उस सांस के पीछे किसी सैनिक का त्याग छिपा है, जो हिमालय की जमा देने वाली ठंड में चौकसी करता है, जो लद्दाख की ऑक्सीजन-रहित ऊँचाइयों पर पहरा देता है, जो राजस्थान के तपते रेगिस्तानों में सूरज की आग झेलकर सीमा की रखवाली करता है। भारत का प्रत्येक सैनिक देश को सर्वोपरि मानता है—उसके लिए परिवार, आराम और सुविधाएं सब बाद में आते हैं। देश उसकी पहली और अंतिम प्राथमिकता है। लेकिन इसी वीरता से भरी धरती के भीतर कुछ ऐसी गतिविधियां भी पनपती हैं जो चिंता बढ़ाने वाली हैं। जब सीमा पर जवान एक-एक इंच जमीन की सुरक्षा के लिए प्राणों की बाज़ी लगा रहे होते हैं, तब देश के अंदर कुछ लोग ऐसी साजिशों में शामिल पाए जाते हैं जो राष्ट्र की सुरक्षा को भीतर से खोखला कर रही हैं। यह विडंबना ही है कि कुछ लोग मामूली पैसों के लालच में या कट्टरपंथी विचारधाराओं से प्रभावित होकर ऐसे नेटवर्क का हिस्सा बन जाते हैं, जो आतंकवाद को हवा देता है, देश की शांति को बाधित करता है और समाज के वातावरण में ज़हर घोलता है। इन तत्वों का मकसद न तो देशहित होता है और न समाज की भलाई; उनका उद्देश्य सिर्फ अपने निजी फायदे के लिए राष्ट्र की जड़ों को कमजोर करना होता है। इन परिस्थितियों में रेजांग लॉ दिवस का महत्व और बढ़ जाता है। यह सिर्फ सैनिकों के बलिदान को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि हर नागरिक के लिए आत्ममंथन का दिन भी है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए विवश करता है कि जब सेना अपने कर्तव्य पर अडिग खड़ी है, तो क्या हम नागरिक भी उतनी ही निष्ठा से राष्ट्र की सुरक्षा, शांति और अखंडता के प्रति संकल्पित हैं? देश को बाहरी दुश्मनों से ज्यादा खतरा उन अंदरूनी कमजोरियों से होता है, जो देशभक्ति की भावना को कमजोर बनाती हैं।

फांसी की सजा: बांग्लादेश में बढ़ती कट्टरता और शेख हसीना की वापसी पर गहराता संकट

-राजनीतिक प्रतिशोध, विवादित ट्रिब्यूनल और अंतरराष्ट्रीय कानून के बीच बांग्लादेश का भविष्य अनिश्चित

दक्षिण एशिया की राजनीति आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां लोकतंत्र, न्याय व्यवस्था और सत्ता-राजनीति के टकराव ने एक नया और जटिल रूप ले लिया है। बांग्लादेश में हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनके सहयोगी और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल तथा पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून के खिलाफ इंटरनेशनल क्राइम्स कोर्ट ट्रिब्यूनल (ICT) द्वारा सुनाए गए फैसले ने न केवल बांग्लादेश बल्कि पूरे क्षेत्र में चिंता पैदा कर दी है। इस फैसले ने यह प्रश्न भी जगा दिया है कि क्या बांग्लादेश, पाकिस्तान की तरह राजनीतिक प्रतिशोध और कट्टरता के रास्ते पर बढ़ता जा रहा है? और सबसे बड़ा सवाल—क्या शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी अब संभव भी है?

फैसला—चौंकाने वाला नहीं, लेकिन गहरी बेचैनी पैदा करने वाला

बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम पर नज़र रखने वाले विश्लेषक पहले से ही संकेत दे रहे थे कि शेख हसीना के खिलाफ ऐसा कोई कठोर निर्णय आ सकता है। 2024 में अचानक हिंसक प्रदर्शनों, प्रशासनिक पतन और शासन विरोधी अभियानों के बीच शेख हसीना ने भारत में शरण ली थी। पिछले 15 महीनों से शेख हसीना और उनके पूर्व गृह मंत्री भारत में ही मौजूद हैं। ऐसे में उनके खिलाफ दी गई फांसी की सजा केवल कानूनी फैसला नहीं बल्कि एक तीखा राजनीतिक संदेश भी है—वर्तमान शासन अपने विरोधियों को सख्त से सख्त सज़ा देने से पीछे नहीं हटेगा।

ICT का फैसला और उसकी वैधता पर सवाल

बांग्लादेश का इंटरनेशनल क्राइम्स कंट्रोल ट्रिब्यूनल नाम से भले "अंतरराष्ट्रीय" हो, लेकिन इसकी

संरचना और कार्यप्रणाली पूरी तरह घरेलू है। इसका कोई संबंध अंतरराष्ट्रीय अदालतों या संयुक्त राष्ट्र से नहीं है। कई मानवाधिकार संगठनों ने इस ट्रिब्यूनल पर पक्षपात, राजनीतिक प्रभाव और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया है। जिन मामलों पर निर्णय दिया जाता है, वे अक्सर राजनीतिक रंग से भरे होते हैं। चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून के सरकारी गवाह बनने के बाद सज़ा में नरमी ने भी यह संकेत दिया है कि पूरा मामला कहीं न कहीं राजनीतिक द्वंद्व से जुड़ा है।

क्या भारत शेख हसीना को वापस भेज सकता है?

यह सबसे महत्वपूर्ण सवाल है। भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि तो है, लेकिन यह संधि बिल्कुल स्पष्ट रूप से कहती है कि: केवल "आपराधिक मामलों" में ही प्रत्यर्पण बाध्यकारी है। राजनीतिक मामलों या राजनीतिक उद्देश्य से दर्ज मामलों में प्रत्यर्पण नहीं किया जा सकता। शेख हसीना का पूरा मामला प्रतिशोध, सत्ता संघर्ष और राजनीतिक वैमनस्य से घिरा हुआ है। इसलिए भारत चाहे तो यह कह सकता है कि: यह मामला अपराध का नहीं, बल्कि राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है, और इसलिए प्रत्यर्पण का आधार नहीं बनता। अंतरराष्ट्रीय कानून का प्रावधान भी यही कहता है: अगर किसी व्यक्ति के जान-माल, जीवन, स्वतंत्रता या मानवाधिकार पर खतरे की आशंका हो, या उसके खिलाफ राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की गई हो, तो किसी भी देश को उसे वापस भेजने की बाध्यता नहीं है।

बांग्लादेश में सत्ता—अनिश्चितता, अस्थिरता और कट्टरता का खतरा

शेख हसीना दक्षिण एशिया की उन गिने-चुने नेताओं में रही हैं, जिन्होंने लगातार 15 वर्षों तक शासन किया। उनके अचानक हटने के बाद: बांग्लादेश में अभी तक नई निर्वाचित सरकार नहीं बनी। सेना और प्रशासनिक तंत्र राजनीति को प्रभावित कर रहा है। विपक्ष की ताक़त बढ़ी है, लेकिन वह भी पूरी तरह लोकतांत्रिक स्वरूप में नहीं दिखती। इस्लामी संगठनों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश ठीक उसी रास्ते पर जाता दिख रहा है जिस पर पाकिस्तान दशकों से चलता आ रहा है—जहां राजनीतिक प्रतिशोध, सैन्य हस्तक्षेप, धार्मिक कट्टरता और कानून का चुनिंदा इस्तेमाल आम बात बन चुका है।

शेख हसीना की सजा—क्या यह राजनीतिक प्रतिशोध है?

यह प्रश्न केवल एक राजनीतिक विश्लेषण नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गूंजने वाला मुद्दा बन चुका है। इसके पीछे कुछ प्रमुख तथ्य हैं: शेख हसीना ने 15 साल के शासन में इस्लामी कट्टर समूहों पर सख्ती की। उन्होंने पाकिस्तान समर्थित राजनीति को कमजोर किया। बांग्लादेश की सेना के साथ उनके संबंध हमेशा सहज नहीं रहे। उनके खिलाफ दर्ज कई मामले हमेशा से विवादित रहे हैं। मानवाधिकार संगठनों ने इन मामलों को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित माना है। इस पृष्ठभूमि में फांसी की सजा सिर्फ कानूनी सजा नहीं लगती—यह एक राजनैतिक संदेश है कि वर्तमान व्यवस्था अतीत के किसी भी शक्तिशाली नेता को वापस उभरने नहीं देगी।

भारत की भूमिका—सीमित लेकिन महत्वपूर्ण

भारत के लिए यह मामला बेहद संवेदनशील है। भारत चाहे तो इन आधारों पर प्रत्यर्पण से इनकार कर सकता है: मामला राजनीतिक है, मानवाधिकारों का खतरा है, सजा प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी नहीं उतरती, शेख हसीना के जीवन को खतरा है, भारत की विदेश नीति का सिद्धांत यह भी कहता है कि किसी भी पड़ोसी देश की आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। इसलिए भारत का रुख बहुत सावधानी भरा होगा।

क्या शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी संभव है?

वापसी के तीन संभावित रास्ते हैं—

राजनीतिक समझौता: अगर सत्ता में बैठे समूहों और हसीना समर्थकों में किसी प्रकार का समझौता हुआ, तो सजा को कम किया जा सकता है या प्रक्रिया को रोका जा सकता है।

लेकिन फिलहाल इसके कोई संकेत नहीं हैं।

अंतरराष्ट्रीय दबाव: संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य मानवाधिकार संगठन बांग्लादेश पर दबाव बढ़ा सकते हैं। फैसला विवादित है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय राजनीतिक मामलों में मौत की सजा के खिलाफ है।

सरकार बदलने की संभावना: अगर भविष्य में चुनाव हुए और विपक्ष सत्ता में आया, तो राजनीतिक समीकरण पलट सकते हैं। ऐसी स्थिति में शेख हसीना सुरक्षित होकर वापस आ सकती हैं। परंतु वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए निकट भविष्य में लौटना लगभग असंभव लगता है।

बांग्लादेश का भविष्य—लोकतंत्र या कट्टरता?

बांग्लादेश उस मुकाम पर खड़ा है जहां उसे तय करना होगा कि वह— लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करेगा, न्याय व्यवस्था को स्वतंत्र बनाए रखेगा, या फिर पाकिस्तान जैसी अराजकता, प्रतिशोध और कट्टरता के रास्ते पर चलेगा। जो भी रास्ता चुना जाएगा, उसका प्रभाव सिर्फ बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहेगा—भारत और पूरे दक्षिण एशिया को उसकी परिणति भुगतनी होगी।

शेख हसीना की वापसी अभी कठिन, कट्टरता का खतरा बढ़ता हुआ

शेख हसीना की फांसी की सजा और उन पर चल रहे मामले बांग्लादेश की राजनीति की जटिलताओं को उजागर करते हैं। फैसला राजनीतिक बदले की भावना से भरा लगता है। अंतरराष्ट्रीय कानून भारत को उन्हें प्रत्यर्पित करने के लिए बाध्य नहीं करता। बांग्लादेश वर्तमान में राजनीतिक अस्थिरता और कट्टरता की ओर बढ़ता दिख रहा है। शेख हसीना की जल्द वापसी बहुत कम संभावित है। अगर बांग्लादेश ने अपनी दिशा नहीं बदली तो वह लोकतांत्रिक विकास के रास्ते से हटकर पाकिस्तान जैसे विवादित और उथल-पुथल भरे मॉडल की तरफ बढ़ सकता है। दक्षिण एशिया के भविष्य के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है।

टैरिफ कटौती से बदलेगा वैश्विक कृषि बाजार, महंगाई और चुनावी दबाव के बीच ट्रंप का बड़ा यू-टर्न

-महंगाई दबाव में ट्रंप ने 200 खाद्य उत्पादों से टैरिफ हटाए, भारत के कृषि निर्यात को बड़ा फायदा मिलेगा

अमरीका ने 200 से अधिक खाद्य उत्पादों पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को हटाने का जो बड़ा फैसला लिया है, उसका असर केवल अमरीकी उपभोक्ताओं की जेब पर ही नहीं बल्कि वैश्विक कृषि व्यापार, भारत के निर्यात, राजनीतिक माहौल और ट्रंप प्रशासन की भावी रणनीति पर भी गहराई से पड़ेगा। यह फैसला अचानक नहीं आया। इसके पीछे महंगाई का उछाल, उपभोक्ताओं का गुस्सा, नवंबर 2025 के ऑफ इयर चुनावों में डेमोक्रेट्स की अप्रत्याशित जीत और राजनीतिक दबाव जैसे कई कारक मौजूद हैं। 2024 और 2025 के बीच अमरीका में लगातार महंगाई बढ़ती रही। खासकर खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला, जिसने आम जनता की ज़िंदगी को मुश्किल बना दिया। ट्रंप प्रशासन ने अपने पहले कार्यकाल की तरह इस बार भी घरेलू उद्योगों को संरक्षण देने के नाम पर कई कृषि वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगा दिए थे। लेकिन इन टैरिफ़ों का उल्टा असर पड़ा—अमरीका में खाने-पीने की चीज़ें और महंगी हो गईं, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृषि बाज़ार में असंतुलन बढ़ा। इन्हीं परिस्थितियों ने राष्ट्रपति ट्रंप को मजबूर किया कि वे 200 से ज्यादा खाद्य वस्तुओं पर लगाए गए टैरिफ़ हटाने का एलान करें।

टैरिफ हटाने का राजनीतिक कारण: जनता का गुस्सा और चुनावों का दबाव

अमरीका में बढ़ती महंगाई को लेकर जनता में नाराज़गी तेज़ी से बढ़ रही थी। ट्रंप प्रशासन का दावा था कि महंगाई "काबू में" है, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और थी। 2024 के अंत और 2025 की शुरुआत में खाने-पीने की चीज़ें 15–30% तक महंगी हो गईं। दूध, सब्ज़ियां, कॉफी, फल, एवकाडो जैसे उत्पादों की कीमतें आम लोगों की पहुंच से बाहर होने लगीं। शहरी इलाकों में तो लोग फिर भी मैनेज कर लेते थे, लेकिन उपनगरों (सबर्ब्स) और ग्रामीण क्षेत्रों में यह महंगाई ज़्यादा महसूस की जा रही थी। इसी दौरान 2025 के ऑफ इयर चुनाव हुए—जिनमें मेयर, गवर्नर और कुछ लोकल बॉडी के चुनाव शामिल थे। इन चुनावों में डेमोक्रेट्स ने अप्रत्याशित रूप से अच्छा प्रदर्शन किया और कई सीटें जीत लीं। यह जीत ट्रंप प्रशासन के लिए बड़ा झटका साबित हुई, क्योंकि यह संकेत था कि जनता में असंतोष बढ़ रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि महंगाई का मुद्दा ऐसे ही बढ़ता रहा तो 2026 के मुख्य चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को भारी नुकसान हो सकता है। इसीलिए ट्रंप पर राजनीतिक दबाव बढ़ा कि वे महंगाई कम करने के लिए कुछ निर्णायक कदम उठाएं। खाद्य वस्तुओं पर टैरिफ हटाने के फैसले का उद्देश्य यही है—जनता के गुस्से को शांत करना और राजनीतिक नुकसान से बचना।

टैरिफ क्यों लगाए गए थे?

ट्रंप प्रशासन ने "अमेरिका फर्स्ट" नीति के तहत विदेशी कृषि आयात पर भारी शुल्क लगाए थे। इसका दावा था कि इससे— स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा, घरेलू उद्योग को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाया जा सकेगा, व्यापार घाटा (Trade Deficit) कम होगा, लेकिन टैरिफ ने उल्टा असर किया:, विदेशी कृषि उत्पाद महंगे हो गए, स्थानीय उत्पादों की कीमत भी बढ़ गई, सप्लाई चेन में बाधाएं आईं, रिटेल मार्केट में खाद्य वस्तुएं महंगी होती गईं, कई अमेरिकी सुपरमार्केट्स ने इनपुट लागत बढ़ने के कारण अपनी कीमतें बढ़ा दीं। परिणामस्वरूप, आम जनता का बजट बिगड़ने लगा और शिकायतें बढ़ती गईं।

कौन-कौन से उत्पाद टैरिफ से मुक्त हुए?

ट्रंप प्रशासन ने जिन 200 से अधिक वस्तुओं पर से टैरिफ हटाया है, उनमें मुख्य रूप से शामिल हैं— कॉफी, केला, टमाटर, ऑरेंज जूस, एवकाडो, बादाम और अन्य नट्स, प्याज, लहसुन, मिर्च, पैक्ड फूड, जूस और फूड कंसंट्रेट, कई ट्रॉपिकल फल और सब्ज़ियां, इनमें से कई उत्पाद लैटिन अमेरिका, दक्षिण एशिया और अफ्रीका से आते हैं।

भारत के लिए बड़ा मौका: कृषि उत्पाद होंगे और प्रतिस्पर्धात्मक

टैरिफ हटाने का सबसे बड़ा असर भारत जैसे देशों पर पड़ सकता है, जो बड़े पैमाने पर कृषि उत्पादों का उत्पादन और निर्यात करते हैं। टैरिफ हटने से भारत को क्या फायदा होगा? भारतीय कृषि उत्पादों की कीमतें अमरीकी बाजार में और सस्ती होंगी, टैरिफ हटने से भारतीय चाय, मसाले, फल, सब्ज़ियां, नट्स, सहजन उत्पाद आदि की कीमतें अमरीकी बाज़ार में प्रतिस्पर्धा योग्य हो जाएंगी। अमरीकी खरीदार अब भारत की ओर और झुकेंगे, पहले चीनी, मैक्सिकन और ब्राजीली उत्पाद सस्ते पड़ते थे। अब भारत भी बराबर की दौड़ में शामिल हो जाएगा।

विविध कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा

मसाले, प्याज, आलू, रेडी-टू-ईट पैक फूड, जूस, पल्प, कंसंट्रेट, मूंगफली, काजू, बादाम विकल्प, भारतीय किसानों की आय पर सकारात्मक असर, अंतरराष्ट्रीय मांग बढ़ने से भारत के कई राज्यों—महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, उड़ीसा—को लाभ होगा। भारतीय प्रसंस्करण उद्योग (Food Processing) को बढ़ावा अमेरिका में अब भारतीय ब्रांड आसानी से अपनी पकड़ बना सकेंगे।

अमरीकी उपभोक्ता कैसे लाभान्वित होंगे?

टैरिफ हटने के बाद अमरीका में कीमतें 8–12% तक कम होने का अनुमान है। कॉफी सस्ती, फल-फ्रूट की कीमत नीचे, एवकाडो की उपलब्धता बढ़ेगी,सलाद और जैविक खाद्य वस्तुएं सस्ती होंगी, लैटिन अमेरिकी उत्पादों का आयात भी बढ़ेगा, यह सीधे तौर पर आम घरों के बजट को राहत देगा।

ट्रंप का यू-टर्न और राजनीतिक रणनीति

ट्रंप ने महीनों तक इस बात को स्वीकार नहीं किया कि महंगाई बढ़ रही है।

दान-परंपरा और ट्रस्टीशिप: गांधीजी के नैतिक आर्थिक मॉडल के संदर्भ में आधुनिक पूंजीवाद और बढ़ती असमानताएं

-गांधीजी का ट्रस्टीशिप सिद्धांत आज की बढ़ती आर्थिक असमानता पर एक मानवीय समाधान प्रस्तुत करता है

भारतीय सभ्यता और संस्कृति की सबसे बड़ी ताकतों में से एक उसकी दान-परंपरा रही है। यहाँ दान केवल लेन-देन का आर्थिक व्यवहार नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक और नैतिक मूल्य है, जो इंसान को अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के बारे में सोचने की प्रेरणा देता है। भारतीय दर्शन में दान को पुण्य, सेवा, त्याग और मानवता से जोड़ा गया है। हर युग में, चाहे वह वैदिक काल का यज्ञ-दान हो, बौद्ध काल का दानशील व्यापारी वर्ग, या मध्यकाल के सूफी-संतों की लंगर और खैरात की परंपरा—दान हमेशा समाज में संतुलन कायम करने का माध्यम रहा है। लेकिन आधुनिक समय में, जब पूंजीवाद तेज़ी से बढ़ा है, दान का स्वरूप भी बदल गया है। बड़े-बड़े उद्योगपति, कंपनियाँ और ग्लोबल कॉर्पोरेशन कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के माध्यम से समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाने की कोशिश करते हैं। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी का ट्रस्टीशिप सिद्धांत एक आदर्श मॉडल की तरह सामने आता है, जो पूंजीवादी ढांचे को मानवीय दिशा देने की कोशिश करता है।

भारतीय दान-परंपरा का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व

भारत में दान का इतिहास हजारों साल पुराना है। धर्म, समाज और आचार-व्यवहार में इसे अत्यंत प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है। दान का उद्देश्य हमेशा यह रहा है कि—समाज में जरूरतमंदों का सहारा बनना, संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण करना, और अमीर व गरीब के बीच संतुलन कायम रखना। भारतीय ग्रंथों में कहा गया है कि 'दान' धन को पवित्र बनाता है। ईश्वर या समाज को वापस लौटाने का भाव लोगों के व्यवहार में रचा-बसा रहा। दान किसी प्रदर्शन, शोहरत या नाम कमाने की चीज़ नहीं थी, बल्कि यह अंतःकरण से उपजा संस्कार था। आज भी मंदिरों, गुरुद्वारों, दरगाहों, आश्रमों, सामाजिक संस्थाओं में दान की यह धारा बहती दिखाई देती है। लेकिन समय के साथ दान का स्वरूप बदल कर अब फिलान्थ्रॉपी, फाउंडेशन, ट्रस्ट, और CSR गतिविधियों में बदल गया है, जो आधुनिक समाज की जरूरतों के हिसाब से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

गांधीजी और ट्रस्टीशिप का क्रांतिकारी सिद्धांत

महात्मा गांधी का मानना था कि संपत्ति का अत्यधिक केंद्रीकरण समाज के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि— "अमीर व्यक्ति अपनी संपत्ति का मालिक नहीं बल्कि समाज का ट्रस्टी है।" अर्थात् अमीर व्यक्ति वही धन अपने पास रखे जिसकी उसे और उसके परिवार को मूलभूत आवश्यकताओं हेतु जरूरत हो। उसके बाद बची हुई संपत्ति पर समाज का अधिकार है। गांधीजी ने पूंजीवाद को ख़त्म करने का रास्ता नहीं सुझाया, बल्कि उसे नैतिकता और मानवता से जोड़कर नियंत्रित करने की राह दिखाई। उनका यह मॉडल संघर्ष, हिंसा या क्रांति के बजाय हृदय परिवर्तन और स्वैच्छिक त्याग पर आधारित था। ट्रस्टीशिप सिद्धांत के मुख्य बिंदु थे— पूंजीपति अपनी संपत्ति के संरक्षक (ट्रस्टी) बनें, मालिक नहीं। धन का उपयोग समाज के हित में हो। शोषण, अन्याय और श्रमिकों के हक़ का हनन समाप्त हो। उद्योगों में श्रमिकों का भी हिस्सेदारी और सम्मान हो। स्वैच्छिक और नैतिक रूप से अमीर वर्ग समाज के लिए योगदान दे। गांधीजी का यह मॉडल एक मानवीय अर्थव्यवस्था की परिकल्पना था, जहां पूंजी और नैतिकता साथ-साथ चलें।

वॉरेन बफे का दान और आधुनिक पूंजीवादी मानवतावाद

हाल ही में अमेरिकी उद्योगपति वॉरेन बफे द्वारा अपनी लगभग 150 अरब डॉलर की संपत्ति मृत्यु के बाद परोपकारी कार्यों के लिए दान करने की घोषणा ने दुनिया का ध्यान खींचा। यह धन उनके बच्चों के ट्रस्ट द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों—शिक्षा, स्वास्थ्य, शोध आदि—में लगाया जाएगा। बफे का यह फैसला दुनिया भर में दानशीलता की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक माना जा रहा है। लेकिन सवाल उठता है—क्या यह गांधीजी के ट्रस्टीशिप सिद्धांत जैसा है? या यह आधुनिक पूंजीवाद का "मानवतावादी चेहरा" है? बफे और बिल गेट्स जैसे उद्योगपतियों द्वारा बड़े पैमाने पर दान जरूर सराहनीय है, लेकिन यह स्वैच्छिक परोपकार पूंजीवादी ढांचे के भीतर से जन्म लेता है। जबकि गांधीजी का मॉडल केवल दान नहीं, बल्कि पूंजी पर समाज के नैतिक अधिकार को स्वीकार करने पर आधारित था। आज का परोपकारी पूंजीवाद कई मायनों में टेक्नो-कैपिटलिज्म की संरचना से जुड़ा है, जहां— तकनीक, डेटा, एल्गोरिद्म, और नई पूंजी संरचना ने आर्थिक असमानता को और बढ़ा दिया है।

टेक्नो-कैपिटलिज्म और बढ़ती असमानताएं

समाजशास्त्रीय दृष्टि से आज का समय टेक्नो-कैपिटलिज्म का युग है, जिसमें तकनीक ही शक्ति, धन और विकास का सबसे बड़ा स्रोत बन गई है। यह **व्यवस्था तीन बड़े बदलाव लेकर आई है—**

धन और संसाधनों का तीव्र केंद्रीकरण: कुछ गिने-चुने तकनीकी उद्योगपतियों की संपत्ति पूरी दुनिया की गरीब आबादी की कुल संपत्ति से भी ज्यादा हो गई है। डेटा-आधारित अर्थव्यवस्था "विजेता-सब-कुछ" मॉडल की तरफ बढ़ रही है।

अवसरों में असमानता: टेक्नोलॉजी कौशल और संसाधनों तक पहुँच केवल संपन्न वर्ग को मिलती है। गरीब व्यक्ति डिजिटल दौड़ में पीछे छूट जाता है।

श्रमिकों और मजदूर वर्ग पर संकट: ऑटोमेशन, एआई, रोबोटिक्स और गिग-इकॉनमी ने पारंपरिक श्रमिक अधिकारों को कमजोर किया है। रोजगार अस्थिर हो रहे हैं। इसीलिए यह कहा जाता है कि— "आज की असमानता सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि तकनीकी और संरचनात्मक असमानता है।"

क्या कल्याणकारी पूंजीवाद संभव है?

यह बड़ा प्रश्न है, क्योंकि पूंजीवाद स्वभावतः लाभ-केन्द्रित व्यवस्था है। उसमें मानवीय भावनाएं और सामाजिक जिम्मेदारी तभी उभरती हैं जब— सामाजिक दबाव हो, कानूनी बाध्यता हो (जैसे CSR), या व्यवसाय की प्रतिष्ठा और छवि का सवाल हो।

प्रधानमंत्री ने की किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी

राजस्थान में सहकार से समृद्धि का विजन हो रहा साकार - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन देश के किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के विकास से जुड़ा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय और बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के विचारों के अनुरूप अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास तथा जरूरतमंद तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उसके जीवन स्तर को उठाने के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी की है। यह कदम हमारी सरकार का किसान कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु के कोयम्बटूर में पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के हस्तान्तरण कार्यक्रम एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित हुए इस कार्यक्रम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। इसी कड़ी में शर्मा ने दुर्गापुरा के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसान हमारे देश की रीढ़ है। मेहनत, लगन और समर्पण से ये अनाज उपजाते हैं। प्राकृतिक आपदा, चिलचिलाती धूप, कपकपाती ठंड और अन्य विपदाओं में भी किसान खेत में निरन्तर कार्य करता है।

योजनाओं से किसान लाभान्वित, राजस्थान का देश में पांचवां स्थान-

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों से किए वायदों को पूरा किया जा रहा है। राज्य के किसानों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने के लिए धनतेरस पर मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अब तक 20 किस्त जारी हुई हैं जिससे राजस्थान के किसानों के खातों में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। 21वीं किस्त में लगभग 1400 करोड़ की राशि किसानों के खातों में जमा करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को लाभान्वित करने की संख्या की दृष्टि से राजस्थान का देश में पांचवां स्थान है।

पेपरलीक पर लगी लगाम, 92 हजार युवाओं को मिला नियुक्ति का सम्मान-

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक की घटनाओं से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ, लेकिन हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। अब तक लगभग 92 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के वादे को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। अब तक 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग हो चुकी है, जिससे निजी क्षेत्र में भी प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा स्वरोजगार के नवीन अवसर सृजित होंगे।

राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों की आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने के लिए राज्य में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सरकार 3 हजार रुपये की राशि अलग से दे रही है। इससे किसानों को केन्द्र व राज्य सरकार से अब 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष सम्मान निधि की राशि मिल रही है, जिसे चरणबद्ध तरीके से 12 हजार रुपये तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में जल व्यवस्था के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने 17 जिलों के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर परियोजना, गंगनहर, माही बांध एवं देवास परियोजना का विस्तार, जल संरक्षण एवं संचय के लिए कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि दो वर्षों में अच्छी वर्षा से प्रदेश के बड़े बांधों, डिग्गी, तालाबों में जल स्तर बढ़ा है।

किसानों को दिन में बिजली, पशुपालकों को ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा-

शर्मा ने कहा कि किसानों को बिजली के बिलों में 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। प्रदेश के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने का काम करेंगे। फिलहाल 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली देना प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम कुसुम योजना में राज्य के करीब 2 लाख किसानों को सोलर ऊर्जा से बिजली प्रदान कर लाभान्वित किया गया है। पशुपालन हमारे किसानों की आय का प्रमुख स्रोत है। राज्य सरकार किसान पशुपालकों को दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का बोनस दे रही है। उन्होंने कहा कि पशुओं के उपचार के लिए मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट की सुविधा दी जा रही है। स्कूलों के नौनिहालों को पोषण के लिए दूध भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत पशुपालक को ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। वहीं, किसानों को अच्छी खेती व पैदावार के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज के किट भी दिए गए हैं।

108वीं जयंती पर राजस्थान कांग्रेस ने इंदिरा गांधी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी की 108वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को प्रदेश, जिला, ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिला, ब्लॉक व नगर कांग्रेस कमेटियों द्वारा आज स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी के जीवन पर आधारित फोटो प्रदर्शनी, सेमिनार, पुष्पांजलि कार्यक्रम तथा विचार गोष्ठी आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गाँधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव रामसिंह कस्वा, राजेश चौधरी, सचिव सूरज बागड़ा, जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आर. आर. तिवाड़ी, धर्मेन्द्रसिंह राठौड़, श्रीमती मन्जू शर्मा, सुनील शर्मा, गिरिराज गर्ग, प्रद्युम्न सिंह राठौड़, श्रीमती शकुन्तला शर्मा, गोपाल नावरिया, अब्दुल हफीज जयपुरी, श्रीमती योगिता शर्मा, नितिन व्यास, सुनील आमेरिया, राजेन्द्र आर्य, विक्रम स्वामी, धनसिंह नरूका, हवासिंह बुगालिया, रमेश कुमावत, शरीफ खान, प्रशान्त उपाध्याय, महबूब खान, कमल वाल्मीकि, रामकरण कुमावत, राजेन्द्र शर्मा, राजू खान, राजेश पाण्डे, कजोड़ सैनी, सत्येन्द्रसिंह जादौन सहित अनेक कांग्रेसजनों ने स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी पुष्पांजलि दी।

लखनऊ में होगी 23 नवंबर से 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी

- जगतपुरा प्रशिक्षण केन्द्र में तैयारियों के लिए राज्य शिविर का जल संसाधन मंत्री ने किया उद्घाटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के प्रदेश उपाध्यक्ष व जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार सुबह जगतपुरा स्थित स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र पहुंचे। यहां उन्होंने 19 वीं राष्ट्रीय जम्बूरी (लखनऊ) के लिए स्काउट-गाइड के विशेष राज्य स्तरीय शिविर का उद्घाटन किया। रावत ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार स्काउट-गाइड को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रावत ने कहा कि जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए स्काउट गाइड प्रशिक्षण एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यह अनुशासनप्रिय, सेवाभावी और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मनाने वाला महत्वपूर्ण संगठन है। आपदा और विपरीत परिस्थितियों में भी स्काउट गाइड एकजुटता से प्रशासन को प्रभावी सहयोग प्रदान करते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार की ओर से स्काउट गाइड संगठन के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

रावत ने स्काउट गाइड, प्रशिक्षकों और संगठन के पदाधिकारियों के प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि पाली के रोहट में 18 वीं राष्ट्रीय जम्बूरी और भारत स्काउट गाइड की 75वीं वर्षगांठ पर तमिलनाडु में हुई स्पेशल जम्बूरी में राजस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए यह विश्वास व्यक्त किया है कि उत्तर प्रदेश में भी राजस्थान के होनहार स्काउट गाइड प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। रावत ने बताया कि राष्ट्रीय जम्बूरी मंउ राजस्थान से लगभग 1700 स्काउट व गाइड सहभागी बनेंगे। जयपुर से दल स्पेशल ट्रेन के जरिए 21 नवम्बर को रवाना होगा। राष्ट्रीय जम्बूरी का उद्घाटन 23 नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा।

इस अवसर पर संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने कहा कि राजस्थान राष्ट्रीय जम्बूरी में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अव्वल रहा है। इस बार भी स्काउट गाइड फिर से प्रथम स्थान प्राप्त करेंगे। उल्लेखनीय है कि यह राज्य स्तरीय शिविर राष्ट्रीय जम्बूरी की पूर्व तैयारियों के लिए आयोजित किया जा रहा है।

इससे पहले उद्घाटन समारोह में सरदार शहर की गाइड्स ने स्वागत नृत्य, वनस्थली विद्यापीठ की गाइड्स ने लोक नृत्य, पाली के स्काउट गाइड ने बैंड प्रदर्शन, बालचर आवासीय विद्यालय के स्काउट ने लोक नृत्य एवं कोटा मंडल के संभागियों ने भी उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में संगठन के स्टेट कमिश्नर डॉ. अखिल शुक्ला, स्टेट सेक्रेटरी पी.सी. जैन सहित अन्य पदाधिकारी, प्रशिक्षक और स्काउट गाइड उपस्थित थे।

जयपुर पुलिस ने करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले मास्टरमाइंड लविश जैन को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना मुहाना, जयपुर दक्षिण की पुलिस टीम ने फर्जी जमीन और कागजात बनाकर करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी लविश जैन (24) को बेंगलुरु, कर्नाटक से गिरफ्तार किया। आरोपी कई मामलों में फरार था और बार-बार अपनी लोकेशन बदलकर फरारी काट रहा था।

घटना की जानकारी:

दिनांक 18 सितंबर 2025 को परिवादी अंकित कुमावत ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि लविश जैन और उसके सहयोगियों ने लाखना रोड पर जमीन का झांसा देकर 82 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। आरोपी जयपुर से फरार होकर विभिन्न राज्यों से होते हुए बेंगलुरु पहुंचा था।

गिरफ्तारी अभियान:

पुलिस उपायुक्त दक्षिण जयपुर राजर्षि राज वर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य काकड़े के मार्गदर्शन में थाना मुहाना पुलिस टीम ने करीब 4000 किमी का पीछा कर आरोपी को दबोचा। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पी.सी. रिमांड लिया गया।

टीम और योगदान:

थाना मुहाना के थानाधिकारी गुर भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी रूप से लगातार पीछा करते हुए गिरफ्तारी को सफल बनाया। इस अभियान में विशेष योगदान रहा ओमप्रकाश डोबर का।

जांच जारी:

लविश जैन के खिलाफ अन्य धोखाधड़ी मामलों की जांच जारी है, और फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने शहर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के दिए कड़े निर्देश

-आयुक्त ने कहा 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहे टीम, लापरवाही नही होगी बर्दाशत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस एवं खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के संबंध में शहर की सफाई व्यवस्था को सुद्दढ करने के लिए नगर निगम मुख्यालय पर बुधवार को अधिकारीयों की समीक्षा बैठक ली। आयुक्त ने अधिकारीयों को निर्देश दिये की आगामी दिनों में प्रवासी राजस्थानी दिवस एवं खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स जयपुर में आयोजित किये जा रहे है। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहे, सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाशत नही की जायेगी, यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही की जाती है तो संबंधित अधिकारी/कर्मचारी पर अनुशासनात्मक कारवाई की जायेगीं।

आयुक्त ने उपायुक्त स्वास्थ्य को निर्देश दिये की मोन्युमेंटस की सफाई पर विशेष फोकस किया जाये, रोड स्वीपिंग मशीने चलाकर सफाई व्यवस्था को सुद्दढ किया जाये, इसके साथ ही आयुक्त ने अस्थाई अतिक्रमण को भी हटाने के संबंध मे अधिकारीयों को निर्देश दिये, इसके साथ की पेड-पौधों की कटाई-छटाई, डिवाडरो की सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुद्दढ करने के निर्देश दिये।

सफाई में लापरवाही बरतने पर एक्शन:-

गौरतलब है कि हाल ही में आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया था, जिसके तहत आयुक्त ने सफाई में लापरवाही बरतने पर जोन उपायुक्त को कारण बताओ नोटिस तथा एक सफाई निरीक्षक, तथा एक जमादार को चार्ज शीट जारी कर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दियें। आयुक्त ने सख्त लहजे में कहा की जयपुर शहर की पहचान दुनिया भर में है, इसलिये आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस पर पावणो को शहर स्वच्छ व सुन्दर दिखे, इसके लिये मिशन मोड पर कार्य कर शहर की सफाई व्यवस्था को दुरस्त किया जावें।

अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना में 31 दिसम्बर तक करें आवेदन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, अल्पसंख्यक मामलात विभाग, जयपुर द्वारा अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना में ऑनलाईन आवेदन लिए जा रहे है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने बताया कि जिला मुख्यालय पर संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के राजकीय महाविद्यालयों के शैक्षिक पाठ्यक्रमों (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय हेतु) में अध्ययनरत अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, सिक्ख, जैन, ईसाई, बौद्ध, पारसी) के वे छात्र (केवल बालक) जो घर से दूर रहकर (जो जयपुर जिला मुख्यालय/नगर परिषद् सीमा से बाहर के निवासरत हो) जयपुर मुख्यालय पर कमरा किराया लेकर (पेइंग गेस्ट के रूप में) अध्ययन कर रहे है। ऐसे छात्रों हेतु आवास, भोजन एवं बिजली-पानी इत्यादि सुविधाओं हेतु पुनर्भरण राशि के रूप में अम्बेडकर डीबीटी वाउचर के अन्तर्गत महाविद्यालय में प्रवेश माह अनुसार राशि रू 2000/- प्रतिमाह प्रतिवर्ष (अधिकतम 10 माह हेतु) योजनान्तर्गत दी जाएगी। शैक्षिक सत्र 2025-26 में अध्ययनरत अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों द्वारा उक्त योजना हेतु ऑनलाईन पोर्टल पर आवेदन की अंतिम तिथि 31.12.2025 है। इच्छुक आवेदन एसएसओ पोर्टल sso.rajasthan.gov.in से एवं http://sims.rajasthan.gov-in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय के दूरभाष सं 0141-2785723 पर सम्पर्क करें।

मनोहरपुर में खुल चुका हड्डियों का सबसे आधुनिक अस्पताल

-अब गांव-शहर के लोगों को बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के मंगलम कॉलोनी स्थित सर्किल के पास JSK हॉस्पिटल का हाल ही में शुभारंभ हो चुका था। जानकारी अनुसार इस अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राधेश्याम यादव के परामर्श लेने के बाद बेहतर महसूस कर रहे हैं। अब हड्डियों, जोड़-घुटनों और रीढ़ की हर समस्या का बेहतरीन इलाज मनोहरपुर में ही मिलने लगा हैं। ऐसे में नगर में शुरू हुआ हड्डी एवं जोड़ रोग सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टरों की टीम के साथ क्षेत्र के मरीजों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरा है। अस्पताल में मौजूद अत्याधुनिक मशीनें, डिजिटल एक्स-रे, फ्रैक्चर प्रबंधन, स्पोर्ट्स इंजरी के इलाज और घुटना-कूल्हा प्रत्यारोपण की सुविधाएँ अब तक सिर्फ बड़े शहरों में ही मिलती थीं। लेकिन पहली बार यह सभी सेवाएँ मनोहरपुर के लोगों को उनके ही नगर में उपलब्ध होंगी। अस्पताल के प्रमुख विशेषज्ञ डॉक्टर राधेश्याम यादव ने बताया कि "मरीजों को अब जयपुर या दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा। हर तरह की हड्डी की समस्या—चोट, फ्रैक्चर, पुराना दर्द, नस दबना, गठिया,

स्लिप डिस्क- का इलाज आधुनिक तकनीक से यहीं किया जाएगा। हमारी कोशिश है कि मरीज जल्दी ठीक हो और कम खर्च में बेहतरीन सुविधा मिले। ऐसे में अस्पताल में 24 घंटे इमरजेंसी, ऑपरेशन थिएटर, फिजियोथेरेपी, ट्रॉमा केयर, और अनुभवी स्टाफ नियुक्त है। अब से ग्रामीणों को हॉस्पिटल में डॉक्टर मौजूद मिलेंगे। वही ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों के लिए विशेष परामर्श शिविर और रियायती पैकेज भी शुरू किए गए हैं। वही स्थानीय लोग राकेश सैनी,फरमान खान,असलम खान,लियाकत अली ने अस्पताल के शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि- अब दूर जाने की परेशानी खत्म हो गई। यही हमारे लिए सबसे भरोसेमंद अस्पताल बन गया है।

टेंडर नीलामी पर बवाल:

ठेकेदारों ने पटवारी पर पक्षपात का गंभीर आरोप, पारदर्शिता पर उठे सवाल

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र के पटवार घर में मंगलवार को पुला–पानी लूम–पातड़ी की नीलामी को लेकर विवाद खड़ा हो गया। नीलामी की प्रक्रिया में अनदेखी और पक्षपात के आरोप लगाते हुए ओमप्रकाश गुर्जर, कैलाश मीणा और सलीम खान ताला ने पटवार घर में जोरदार विरोध दर्ज किया। जानकारी के अनुसार नगर पालिका, गांधी चौक और पटवार घर में नीलामी का टेंडर नोटिस चस्पा किया गया था। जिसकी बोली 18 नवंबर को सुबह 10 बजे से शुरू होनी थी। लेकिन तीनों ठेकेदार 11 बजे पटवार घर पहुंचे तो उन्हें नीलामी में उलझाया गया। इनके अनुसार भवानी शंकर ने अंतिम बोली 1,27,000 में नीलामी छुड़वाई, जबकि उन्हें बोली लगाने का मौका तक नहीं मिला। इन तीनों ने आरोप लगाया कि पटवारी प्रियंका जांगिड़ ने पारदर्शी प्रक्रिया का पालन नहीं किया। ठेकेदारों ने पटवारी के सामने ही नीलामी शुल्क 1,000 जमा कराया था, लेकिन जब उन्होंने बोली लगाने की मांग की तो पटवारी ने कहा कि सांय 5 बजे तक सभी लोग आजाएं, फिर एक साथ नीलामी होगी। ठेकेदारों के अनुसार वे वहीं बैठे रहे, लेकिन दोपहर करीब 2:30 बजे कैलाश बेनीवाल आए और 1,25,000 की बोली लगा दी। इसके बाद भवानी शंकर मोहनपुरिया ने 1,27,000 की बोली लगाकर नीलामी जीत ली। इन तीनों ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि पटवारी के दबाव में गलत तरीके से नीलामी करवाई गई है और सरकार के राजस्व को नुकसान पहुँचाने की कोशिश की जा रही है। ठेकेदारों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जिल में बेहतर प्रदर्शन के लिए बीएलओ का किया जा रहा सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत जयपुर जिले में परिगणना कार्य प्रगति पर है। जिले के समस्त विधानसभा क्षेत्रों में परिगणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रहण एवं डिजिटलीकरण कार्य किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी पूरे कार्य की निरंतर समीक्षा कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित कर रहे हैं। डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने निर्देशों की अनुपालना में विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल के तहत बेहतर कार्य करने वाले बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) को पहचान कर उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि जो बीएलओ समय पर, गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित कार्य कर रहे हैं, उन्हें तत्परता से सम्मानित किया जाए, ताकि मैदानी कार्यकर्ताओं में मनोबल बना रहे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने

बताया कि इस पहल का अत्यंत सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। सम्मानित बीएलओ एक प्रेरणास्रोत के रूप में उभर रहे हैं और उनके काम को देखकर अन्य बीएलओ भी अपने कार्यों में अधिक गंभीरता, पारदर्शिता और दक्षता ला रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जयपुर जिले में मतदाता सूची को अधिकतम सटीकता के साथ तैयार करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए फील्ड में कार्यरत हर बीएलओ को आवश्यक सहयोग, प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

ट्रॉमा अस्पताल निर्माण पर दिगराज सिंह शाहपुरा का हमला

- कहा, "जनता की राय से हो स्थान चयन, न कि तुष्टिकरण से"

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दिगराज सिंह शाहपुरा ने ट्रॉमा व उपजिला अस्पताल के स्थान को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल ऐसी जगह बनाया जाए जहाँ आमजन को वास्तविक सुविधा मिले, लेकिन सरकार तुष्टिकरण और व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से बार-बार स्थान बदलकर जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। तमिया स्टेडियम के पास आवंटित नई भूमि पर पीडीकोर की तकनीकी रिपोर्ट ने बड़ा खुलासा किया है—यह क्षेत्र बहाव क्षेत्र में आता है और अस्पताल निर्माण के लिए बिल्कुल असुरक्षित है। घोषणा को दो साल बीतने के बाद भी निर्माण शुरू नहीं होने पर दिगराज सिंह ने सरकार की गंभीर लापरवाही पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अस्पताल को सघन आबादी

से दूर भेजने का प्रयास जनता के साथ सीधा अन्याय है। उन्होंने मांग की कि नगरपालिका क्षेत्र के पास सुरक्षित, उपयुक्त और आसानी से पहुँच योग्य भूमि का तुरंत चयन किया जाए, ताकि शाहपुरा की जनता को जल्द बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ मिल सकें। साथ ही चेतावनी दी—यदि सरकार टालमटोल करती रही तो उसे जनाक्रोश का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि "जनता के स्वास्थ्य अधिकारों पर किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं।"

तेज रफ्तार बोलेरो कार डिवाइडर से टकराई, चालक घायल

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना क्षेत्र के टोल प्लाज़ा पर बुधवार को एक तेज रफ्तार बोलेरो कार ओवरटेक करने पर सीमेंटेड डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वाहन चालक घायल हो गया। थाना पुलिस के एएसआई राजेश कुमार ने बताया कि बोलेरो कार शाहपुरा से जयपुर की ओर जा रही थी। तेज गति के कारण ओर ओवरटेक करने कारण चालक अंकित यादव, निवासी चक मनोहरपुर, वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सीधा डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में अंकित यादव के गंभीर चोट आई है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस के एएसआई राजेश मय जाप्ता के तुरंत मौके पर पहुंचे और एनएचएआई की 1033 एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस चालक रामू गुर्जर एवं ईएमटी आकाश शर्मा मौके पर पहुंचे और प्राथमिक उपचार देने के बाद घायल को निम्स अस्पताल उपचार के लिए भिजवाया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

दो पक्षों की आपसी सहमति से खोला रास्ता

-सिंगोद खुर्द में राजस्व टीम ने बंद रास्ता खुलवाया
-गोविंदगढ़ पुलिस थाना मौके पर मौजूद

चौमूं/गोविंदगढ़ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत सिंगोद खुर्द में बुधवार को राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस के साथ बंद रास्ते को खुलवाया है। इस दौरान दोनों पक्षों के लोगों को आपसी सहमती के साथ रास्ते को खुलवाया गया । सिंगोद खुर्द के हल्का पटवारी सुमन परसोया ने बताया कि गोविंदगढ़ नायब तहसीलदार सुरेश देवत के निर्देशअनुसार मौके उपस्थित होकर दोनों पक्षों को समझाइए करके रास्ते को खुला है। इस अवसर पर सिंगोद खुर्द गिरदावर माया देवी एवं गोविंदगढ़ गिरदावर कमल यादव के नेतृत्व में रास्ते की खुलवाने की कार्रवाई की गई इस दौरान गोविंदगढ़ पुलिस थाने का जपत तैनात रहा ग्राम पंचायत सिंगोद खुर्द के पूर्व सरपंच त्रिलोक लोछीब ने दोनों पक्षों को आपस में सहमति करके रास्ता खुलवाया पूर्व सरपंच लोछीब ने बताया पिछले 70 साल से यह रास्ता सार्वजनिक श्मशान भूमि में जाने का रास्ता था जिसको दो पक्षों के लोगों ने बंद कर रखा था जिसको आपसी सहमति से आज खुलवाया है करीब 2 घंटे की कार्रवाई में रास्ते में तारबंदी हटाई गई जेसीबी की सहायता से रास्ता चालू किया गया इस दौरान यह रास्ता 13 फीट चौड़ा और 160 मीटर लंबा है इसके लिए ग्राम पंचायत के सरपंच त्रिलोक लोछीब ने उपखंड अधिकारी चौमू को सार्वजनिक श्मशान भूमि में रास्ते को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने के लिए राजस्व की धारा 251क में 2023 वर्ष में आवेदन किया था जिसको उपखंड अधिकारी चौमू शमशान भूमि के रास्ते को राजस्व रिकॉर्ड में इंद्राज करने के आदेश दिए इसके बाद आज नया तहसीलदार गोविंदगढ़ ने शमशान भूमि के रास्ते से चालू करवाने का आदेश दिया है।

रेहाना रियाज़ चिश्ती का ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में किया अभिनन्द

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में नव नियुक्त एआईसीसी सचिव व महाराष्ट्र सह प्रभारी रिहाना रियाज चिस्ती का कांग्रेसजनों ने किया स्वागत। चूरू के युवा लोकप्रिय सांसद राहुल कस्वां व प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने नव नियुक्त सचिव व सह प्रभारी रिहाना रियाज का साफा, श्योल व गुलजस्ता भेंट कर अभिनन्दन किया। सांसद कस्वां ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने आपको समय समय पर अनेक जिम्मेवारिया देकर चूरू को गौरवानित किया है। निश्चित ही इससे पार्टी में नई उर्जा का संचार होगा। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि रिहाना रियाज को वर्षो से संगठन में कार्य करने का जो अनुभव है उससे पार्टी को संबल मिलेगा और हमारी एकजुटता से ही भाजपा के होसले परस्त होगे। अपने स्वागत कार्यक्रम में रिहाना रियाज ने कहा पार्टी का प्रदेश नेतृत्व हो या राष्ट्रीय नेतृत्व जो जिम्मेदारी मुझे दी जाती रही है उसको लगन और महनत से करने का पुरा प्रयास किया है। अब हमसब मिलकर एकजुटता के साथ प्रदेश व देश में फिडकापरस्त पार्टी भाजपा को बेनकाब कर आमजन को राहत दिलाने का कार्य करेगे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया इस अवसर पर पीसीसी सचिव रियाजत खां, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, किसान नेता आदूराम न्यौल, मोहम्मद हुसैन निर्बाण, रमजान खां, कमला पुनियां, आशाराम सैनी, सुनिता कपुरिया, योगेश ढाका,नारायण बालाण, हेमन्त सिहाग, हर्ष लाम्बा, शेर खां मलखाण, सुरेन्द्र ढण्ड, सोहनलाल मेघवाल, लालाचंद सैनी, दीपिका सोनी, ज्योती सिंह, बालीबाई, जयचंद मेघवाल, सुरेश फोगावट अजीज खा, संजय भाटी, आरिफ रिसालदार, तोफिक खान, समीउल्लाह, जाफर खां, बाबूमंत्री, सलीम पीए, सोयल डीके, तारिख नागौरी, नौमान सयैद, विनोद खटीक, गोकुल शर्मा, अनीस खान सहित सैकडों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शैक्षणिक जगत में चमकी रतननगर की प्रतिभा

-डॉ. पूजा मीणा ने RPSC में हासिल की बड़ी सफलता

रतननगर/चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित परिणामों में रतननगर की होनहार बेटी डॉ. पूजा मीणा, पुत्री दिलिप कुमार मीणा व संतोष देवी, ने असिस्टेंट प्रोफेसर (ज़ूलॉजी) पद पर चयनित होकर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ा दिया है। वे रतननगर की पहली महिला हैं, जिन्होंने असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयनित होकर इतिहास रच दिया है। डॉ. पूजा ने जुलाई 2025 में यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपुर से अपना पीएच. डी. शोधकार्य पूर्ण किया। अपने उत्कृष्ट शोध, मजबूत अकादमिक रिकॉर्ड और निरंतर मेहनत के बल पर उन्होंने यह सफलता अर्जित की है। परिवारजनों, शिक्षकों और मित्रों ने कहा कि उनकी लगन, अनुशासन और दृढ़ निश्चय युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. पूजा ने कहा कि यह उपलब्धि मेरे माता-पिता, दादा-दादी, मार्गदर्शकों और शुभचिंतकों के सहयोग व आशीर्वाद का परिणाम है। उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सार्थक योगदान देना मेरा लक्ष्य है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आर्यन लेडी के नाम से विश्व भर में मशहूर भारत की एकमात्र महिला प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती बुधवार को जिले में उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्थानीय इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए रॉयल विकलांग विकास संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रुकनखानी ने कहा कि आर्यन लेडी के कार्यकाल में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की। उन्होंने समाज के हर वर्ग के उत्थान पर ध्यान दिया एवं महिलाओं का सशक्तिकरण किया। खान ने कहा कि ऐसी महान महिला नेता के विचारों व आदर्शो को जीवन में उतार कर हम सफल हो सकते हैं। इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल के सचिव हाजी युसूफ खान रूकनखानी द्वारा बच्चों को फल व मिठाई वितरण किए गए कार्यक्रम में मौजूद संस्था की प्रधानाध्यापिका सबीना बानो, अनुदेशिका अल्लादेई समाज सेवी डॉक्टर यूनुस खान रूकनखानी, संस्था के अध्यक्ष युसूफ खान रूकनखानी, रसूल खान, जिया खान, आरूशाह खान, जैनब खान, रिया खान, अल्वी खान, माहिरा खान, जुनैद खान, नबी अगवान आदि लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी ।

कांग्रेस कार्यालय में एसआईआर को लेकर क्षेत्र के बीएलए ओर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया

-पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस में निर्वाचन विभाग की प्रक्रिया एसआईआर को लेकर चूरू विधानसभा क्षेत्र के बीएलए व कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चूरू विधानसभा क्षेत्र के बीएलए व कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एसआईआर को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। बैठक में मुख्य वक्ता चूरू लोकसभा सांसद राहुल कस्वां, एआईसीसी सचिव रिहाना रियाज चिस्ती, पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया, चूरू विधानसभा प्रभारी भीमराज जाखड उपस्थित रहें। बैठक में सांसद कस्वा ने चूरू विधानसभा क्षेत्र के बीएलए व कांग्रेस कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक में वन-टू-वन मिलकर सभी से पुरा फीडबैक लिया और एसआईआर में आ रही अनेक समस्याओं पर विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा कि सभी बीएलए व कांग्रेस कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत बीएलओ के साथ रहकर मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरने में सहयोग करने का आह्वान किया। एआईसीसी सचिव रिहाना रियाज ने कहा कि पार्टी की एकजुटता ही हमें हर बाधाओं से दुर कर सकती है और आने वाले समय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महनत रंग लायेगी जिसके परिणाम भी अच्छे होगे। पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि बीएलए पार्टी की रीढ की हड्डी होती है। बूथ मनेजमेंट बीएलए के हाथों में होता है। पार्टी का परिणाम तय करने में भी बीएलए पर निर्भर करता है। उन्होने कहा कि वक्त और समय की नजाकत देखते हुए प्रत्येक बीएलए को स्वंय पार्टी का पहरेदार बनकर एसआईआर का कार्य करना है। चूरू विधानसभा प्रभारी भीमराज जाखड ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा इस कार्यक्रम को प्रमुखता से लेते हुए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पार्टी द्वारा प्रभारी नियुक्त किये गये है जो आपके सहयोगी के रूप में निरन्तर आपके सम्पर्क में रहेगे। इसी दौरान शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री भारत रत्न इंदिरा गांधी के जन्म दिवस पर एआईसीसी सचिव रिहाना रियाज व प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कार्यकर्ताओं के साथ उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे याद किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्यारेलाल दानोदिया ने किया। इस अवसर पर सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोदी वर्ल्ड स्कूल का शैक्षिक भ्रमण दल रवाना

-जोधपुर व जैसलमेर के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलों का होगा भ्रमण

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)।मोदी वर्ल्ड स्कूल विज्डम सिटी के विद्यार्थियों का पाँच दिवसीय भ्रमण दल मंगलवार 18.11.2025 को जोधपुर व जैसलमेर के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करने के लिए रवाना हुआ। चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती नीरजा मोदी, स्कूल डायरेक्टर आकाश मोदी, गरिमा मोदी,छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा, उप-प्राचार्या सरोज सिंह, हैड-मिस्ट्रेस उमा शर्मा एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा, प्रशासक कमलेश कुलहरि ने हरी झंडी दिखाकर भ्रमण दल को रवाना किया। ट्यूर प्रभारी श्रीमती सरोज सिंह ने बताया कि 100 से अधिक विद्यार्थी भ्रमण के लिए जा रहे हैं। सभी विद्यार्थी इस ट्यूर को लेकर अत्यंत रोमांचित एवं उत्साहित है। विद्यार्थियों के मनोरंजन की पूर्ण व्यवस्था की गई है। भ्रमण में तनोट माता मंदिर, लॉन्गेवाला बॉर्डर, उम्मेद भवन पैलेस, मेहरानगढ़ किला, साम सैंड ड्यून्स कैंप साइट, ऊँट सफारी, सांस्कृतिक संध्या, कालबेलिया लोक नृत्य, जैसलमेर किला, जैसलमेर दर्शनीय स्थल, गड़ीसर झील तथा अन्य ऐतिहासिक व मनोरम स्थानों को शामिल किया गया है। ज्ञात रहे कि स्कूल निरन्तर इस प्रकार के शैक्षणिक एवं प्राकृतिक भ्रमण आयोजित करता है। जिसमें क्रमबद्ध रूप से सम्पूर्ण भारत के पर्यटन स्थलों को शामिल किया जाता रहा है। भ्रमण दल के साथ सभी अध्यापक - अध्यापिकाएँ भी उपस्थित रहकर विद्यार्थियों को हर स्थान के बारे में बखूबी बताते हैं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के भ्रमण से विद्यार्थियों में नेतृत्त्व क्षमता, स्वावलम्बन, आत्म-विश्वास आदि भावनाओं का विकास होता है। विद्यार्थियों में प्राकृतिक स्थलों व राष्ट्रीय धरोहरों के प्रति जागरूकता बढ़ती है। पेस परीक्षा के बाद आयोजित भ्रमण से विद्यार्थी पढ़ाई के दबाव से मुक्त व रिफ्रेश होकर लौटते हैं तथा वापस तनाव मुक्त वातावरण में अध्ययन कर पाते हैं। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए शैक्षिक मनोरंजक भ्रमण का आयोजन किया गया है। यह भ्रमण 18 नवंबर से 23 नवंबर तक 5 रात व 4 दिन की अवधि के लिए आयोजित किया गया है जिसमें कक्षा 4 से 12 तक के उत्साही विद्यार्थियों ने भाग लिया है। उन्होंने ट्यूर की सफलता के लिए सम्पूर्ण दल को अपनी शुभकामनाएँ दी। भ्रमण दल के साथ उमा शर्मा, फारूक अली, युसूफ अली, प्रीति जानू, सरिता रोहिला, सरोज झाझड़िया, सुनिता जांगिड़, सूरज शर्मा, अंकित गोयल तथा वार्डन सुरेन्द्र ओला उपस्थित रहेंगे।

‘सृजन 2025’ बीडीएस ओरिएंटेशन डे:

गीतांजली डेंटल कॉलेज में अंकित अग्रवाल का प्रेरणादायी संबोधन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर में बीडीएस की 12वीं बैच के लिए ‘सृजन 2025’ ओरिएंटेशन डे का भव्य आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और इनवोकेशन सेरेमनी से हुई, जिसने पूरे माहौल में सकारात्मक ऊर्जा और शुभारंभ की पवित्रता भर दी।
कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रिंसिपल डॉ. बालाजी मनोहर ने विद्यार्थियों और अभिभावकों का स्वागत करते हुए कॉलेज के नियम-विनियम, शैक्षणिक अनुशासन, एंटी-रैगिंग पॉलिसी और संस्थान की उच्च शैक्षणिक परंपराओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कॉलेज का उद्देश्य सिर्फ कुशल डॉक्टर तैयार करना ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण ज़िम्मेदार नागरिक बनाना भी है।

इस अवसर पर अंकित अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2014 से गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने बताया कि— जीडीआरआई से अब तक 500+ अंडरग्रेजुएट तथा 30+ पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थी सफलतापूर्वक निकलकर देश–विदेश में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। संस्थान डिजिटल डेंटिस्ट्री, AI आधारित डायग्नोसिस, CAD/CAM सिस्टम, 3D प्रिंटिंग जैसी उन्नत तकनीकों को भी अपने शिक्षण में जल्द शामिल करने की और अग्रसर हैं| गीतांजली कैंपस के स्मार्ट क्लासरूम, विकसित आउटडोर स्टेडियम तथा निर्माणाधीन इनडोर स्टेडियम छात्र विकास को व्यापक और संतुलित रूप से प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि कॉलेज एक सुरक्षित, अनुशासित, पर्यावरण–अनुकूल और छात्र–हितैषी वातावरण प्रदान करता है।
साथ ही उन्होंने बताया कि— ‘गीतांजली सूचना प्रणाली (ERP)’ के माध्यम से अभिभावक अपने बच्चों की उपस्थिति, प्रदर्शन, गतिविधियाँ और फीडबैक वास्तविक समय में प्राप्त कर सकते हैं। अंत में उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु, विनम्र और समर्पित होकर सीखने के लिए प्रेरित किया और सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और व्हाइट कोट सेरेमनी

सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों की नृत्य और गायन प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह का संचार किया।
इसके बाद आयोजित वाइट कोट सेरेमनी में प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और सभी विभागाध्यक्षों ने विद्यार्थियों को सफेद कोट पहनाकर इस प्रतिष्ठित पेशे में उनके प्रथम कदम को गरिमामयी स्वरूप दिया।

कार्यक्रम का समापन

अंत में एडिशनल प्रिंसिपल डॉ. नमित नागर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, फैकल्टी सदस्यों, अभिभावकों और नए छात्रों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम नए विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और उत्साह भरते हैं और उन्हें एक नई यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित करते हैं।
कार्यक्रम का समापन सकारात्मक ऊर्जा, प्रेरणा और सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

एनडीआरएफ टीम ने स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम में प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाएं के तरीको की जानकारी दी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार के निर्देशानुसार 6वीं एन.डी.आर.एफ. द्वारा बुधवार को शहीद कैप्टन रिपुद्धमन महाविद्यालय सवाई माधोपुर में सहायक कमांडेंट पर्यवेक्षण प्रवीण कुमार, टीम कमांडर/निरक्षक अरुण शर्मा, कैलाश चंद बाना के नेतृत्व में स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एनडीआरएफ टीम द्वारा छात्रों को आपदाओं के समय जनहानि से त्वरित बचाव और सुरक्षित उपायों की जानकारी और आपदा के समय किये जाने वाले बचाव कार्यो का सफल प्रदर्शन किया गया। इस दौरान छात्राओं को आपदा क्या होती हैं, प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाएं, भूकंप, सुनामी, बाढ़, साइक्लोन, आग क्या है, आग के प्रकार, प्राथमिक उपचार, सीपीआर, स्नेक बाइट, आपदा के दौरान बचाव के तरीके आदि के बारे में स्कूल में बच्चों को जानकारी प्रदान की गइ। साथ ही, टीम द्वारा आपदा से बचाव संबंधित उपकरणों एवं भिन्न-भिन्न प्रकार के तरीको से बचने के तरीकों का प्रर्दशन किया। विद्यालय परिवार ने डेमो क्लासेस के दौरान प्रश्नोत्तर भी किये, इसके साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य गोपाल सिंह एवं स्टाफ ने एनडीआरएफ की टीम का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ कार्यक्रम के तहत मनोरोग एवं नशे के मरीजों को नि:शुल्क परामर्श

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ कार्यक्रम के अंतर्गत सीएचसी चौथ का बरवाड़ा, सवाई माधोपुर में बुधवार को मनोरोग एवं नशामुक्ति कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में सामान्य चिकित्सालय के मनोचिकित्सक डॉ. गौरव चंद्रवंशी ने अपनी सेवाएं दी। इस कैंप में मनोरोग एवं नशे से संबंधित मरीजों को निःशुल्क परामर्श और दवा दी गई। साथ ही, अस्पताल के समस्त स्टाफ को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गई और तनाव से बचने के उपाय बताए गए। इस दौरान उपस्थित मरीजों को टेली मानस टोल फ्री सेवा नंबर 14416 के बारे में बताया। साथ ही वहां के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों को मानसिक बीमारियों के बारे में जागरूक किया और नशे से दूर रहें के लिए प्रेरित किया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल ने निरीक्षण कर लिया जायजा

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में गणना प्रपत्र के वितरण व संग्रहण के कार्य में प्रगति की जांच के लिए उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल ने उपखण्ड शाहबाद में गहन निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम सुनिल कुमार, बीडीओ दीपचन्द नागर भी मौजूद रहे। जनागल ने निरीक्षण में ग्राम पंचायत शाहबाद के भाग संख्या 143, 144, 145, ग्राम पंचायत शुभघरा के भाग संख्या 200, 201 एवं ग्राम पंचायत मुंडियर के भाग संख्या 195, 196, 202 व 203 सहित क्षेत्र का दौरा कर पुनरीक्षण कार्यो की जांच करते हुए बूथ लेवल अधिकारी द्वारा गणना प्रपत्र वितरण एवं भरे हुए फार्म का पुनः संग्रहण की स्थिति का अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने मतदाताओं द्वारा भरे जाने वाले गणना प्रपत्र का अवलोकन किया तथा इस कार्य में बीएलओ एवं मतदाता को प्रपत्र भरने में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली। बीएलओ को प्रपत्र में गलतियां सुधार कर नियमानुसार प्रपत्र भरवाने के लिए निर्देशित किया तथा समस्याओं का समाधान भी किया गया। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि गणना फार्म संकलित करने के साथ ही समय पर डिजिटाइजेशन करते हुए त्वरित गति से कार्य किया जाए तथा फील्ड में भ्रमण के दौरान सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता गणना प्रपत्र भरने से वंचित नहीं रहे ताकि प्रत्येक मतदाता का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो सके। साथ ही प्रक्रिया में आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए स्थापित हेल्प डेस्क पर सम्पर्क करते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों को भी इस कार्य में सहयोग के लिए कहा।

रबी फसल सिंचाई के लिए 21 नवंबर से खुलेगी मोरेल बांध नहर

-सम्भागीय आयुक्त डॉ. टीना सोनी ने ली जल वितरण समिति की बैठक

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार वर्ष 2025-26 के दौरान रबी की फसल हेतु मोरेल बांध के सिंचित क्षेत्र में सिंचाई के लिए सुव्यवस्थित जल वितरण व्यवस्था का कार्यक्रम तय करने हेतु सम्भागीय आयुक्त भरतपुर डॉ. टीना सोनी की अध्यक्षता में जल वितरण समिति की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। सम्भागीय आयुक्त भरतपुर ने उपस्थित सभी सदस्यों एवं काश्तकारों से चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि रबी फसल वर्ष 2026 की सिंचाई हेतु 21 नवम्बर को प्रातः 11 बजे मोरेल बांध नहर को खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि नहरों के संचालन में बाधा उत्पन्न करने या नहरों को क्षतिग्रस्त करने का कार्य करने वाले असामाजिक तत्वों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जिला कलक्टर काना राम, जिला कलक्टर दौसा देवेन्द्र कुमार, डीएसपी उदय सिंह मीणा, अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत जयपुर रमाशंकर शर्मा, अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड सवाई माधोपुर अरूण शर्मा, अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड दौसा मांगीलाल मीना, किसान सभा जिलाध्यक्ष कानजी मीणा, पूर्व सरपंच मुकेश मीणा, चिरंजी मीणा, शयोराम मीणा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी, जल वितरण समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

खरीफ के प्याज की स्थिति का आंकलन करने के लिए केंद्रीय दल के अधिकारियों ने किया अलवर जिले का दौरा

-अधिकारियों, व्यापारियों की बैठक लेकर व फील्ड विजिट कर प्याज विपणन के संबंध में दी जानकारी
-किसानों से बातचीत कर स्पष्ट किया कि प्याज निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं है

अलवर (रॉयल पत्रिका)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विभिन्न विभागों के केंद्रीय दल ने मंगलवार को अलवर जिले में खरीफ प्याज की स्थिति का आंकलन करने हेतु भ्रमण किया। इस दौरान केंद्रीय दल के अधिकारियों ने कृषि उपज मंडी सभागार में अधिकारियों, प्याज विपणन से जुडे व्यापारियों की बैठक ली। इस केन्द्रीय दल में उप कृषि विपणन सलाहकार विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय बी.के पृष्टि, उप निदेशक उद्यान तकनीकी प्रभाग डॉ. बी.डी निगम, उप निदेशक समन्वित कीट प्रबंधन अर्जुनाल बैरवा, वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी मूल्य निगरानी प्रभाग चिराग भाटिया, वरिष्ठ उद्यान अधिकारी ए.के सिंह शामिल रहे। केंद्रीय दल के अधिकारियों ने जिले में खरीफ प्याज के उत्पादन, वर्तमान भाव, भण्डारण इत्यादि की विस्तृत समीक्षा की तथा व्यापारियों एवं प्याज कृषकों से खरीफ प्याज के भण्डारण एवं भाव सुधार के संबंध में फीडबैक लिया। साथ ही, प्याज के भाव सुधार एवं परिवहन हेतु केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इसके उपरान्त केंद्रीय दल के अधिकारियों द्वारा पंचायत समिति मालाखेडा के महुवाखुर्द, महुआकलां एवं पंचायत समिति उमरैण के नांगल, पलखडी, माचडी गांवों में प्याज उत्पादक कृषकों के खेतों का अवलोकन कर प्याज उत्पादन से संबंधित विभिन्न समस्याओं के संबंध में चर्चा कर कृषकों को प्याज उत्पादन से संबंधित नवीन तकनीकों को अपनाने का सुझाव दिया गया। साथ ही, कृषकों को प्याज उत्पादन से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु एनपीएसएस एप डाउनलोड करवाया गया। उन्होंने कृषकों को जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र सरकार द्वारा प्याज के निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है, प्याज का निर्यात लगातार जारी है। इस दौरान उप निदेशक उद्यान कन्हैया लाल मीणा, कृषि उपज मंडी सचिव अंजू जाटव, आत्मा के उप निदेशक राजेन्द्र कुमार खण्डेलवाल, कृषि विज्ञान केंद्र नौगांवा के वैज्ञानिक सुभाष यादव, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक जी.एल चौधरी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिले में नशामुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गतिविधियां

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा नशीली दवाओं की मांग से निपटने के लिए 15 अगस्त 2020 से नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा 18 नवंबर को गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर में नशामुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य अभियान की उपलब्धियों को उजागर करना, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाना और नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में हमारे सामूहिक प्रयासों को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी के निर्देशानुसार जिला स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन संबंधित विभागो द्वारा किया गया। जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी देवेन्द्र सिंह जांगल ने बताया कि जिले में संचालित राजकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर में नशामुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किये गये समारोह में विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी ऑनलाईन वेबएक्स लिंक द्वारा अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने प्रोजक्टर के माध्यम से समारोह को दिखाया गया। जिले में विभाग के सभी राजकीय छात्रावासों में आवासरत छात्र-छात्राओं ने नशे के खिलाफ ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से और ऑफलाइन शपथ ली साथ ही जिले में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं राजकीय आद्यौगिक प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा अध्ययनरत सभी छात्रों को नशे के खिलाफ ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से और ऑफलाईन शपथ दिलवायी गयी। डाइट धौलपुर में आयोजित एक महत्वपूर्ण टीचर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम में सीडीईओ महेश मंगल द्वारा नशामुक्ति भारत अभियान की 5वी वर्षगांठ के अवसर पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता फैलाने लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर सभी को नशे के विरूद्ध शपथ भी दिलवाई गयी। जिसमें सभी शिक्षकों ने नशे से दूर रहने, इसके खिलाफ जागरूकता फैलाने और समाज मे सकारात्मक बदलाव लाने के लिए शपथ ली। टीचर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के शिक्षक, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं सम्मानित व्यक्ति उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त जिले में संचालित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कार्मिकों ने नशे से दूर रहने एवं इसके लिए अपने आस-पास जागरूकता फैलाने की शपथ ली। साथ ही गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर में नशामुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह से विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी ऑनलाईन वेबएक्स लिंक द्वारा जिले के जिला कलक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कार्मिको द्वारा जुड़कर समारोह का सीधा प्रसारण देखा गया।

डूंगरपुर एक बार फिर से राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित

-जल संचयन जन भागीदारी 1.0 में उत्कृष्ट कार्य हेतु पश्चिमी जोन में छठी रैंक प्राप्त करने पर 0.25 करोड़ का नगद पुरस्कार
-दिल्ली के विज्ञान भवन में महामहिम राष्ट्रपति एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने जिला कलक्टर को दिया सम्मान

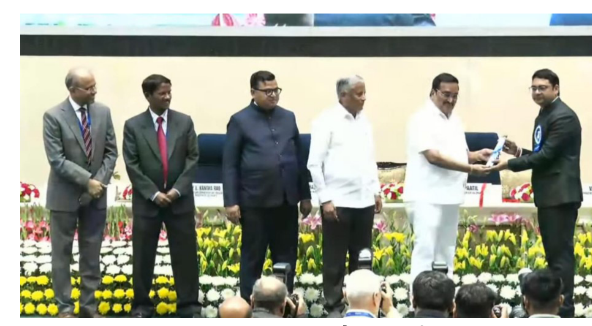

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जल संचयन जन भागीदारी (जीएसजेबी) 1.0 के अंतर्गत डूंगरपुर जिले को उत्कृष्ट कार्य और जल सुरक्षित भारत के निर्माण हेतु अनुकरणीय प्रतिबद्धता के लिए जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के द्वारा उचित मान्यता देते हुए जीएसजेबी 1.0 पुरस्कार के विशिष्ट विजेताओं में सम्मानित किया गया है। बुधवार, 18 नवंबर को प्लेनरी हॉल विज्ञान भवन नई दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री भारत सरकार सी. आर. पाटिल के आतिथ्य में आयोजित राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में डूंगरपुर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने सम्मान को ग्रहण किया। पुरस्कार के विभिन्न श्रेणियां के तहत डूंगरपुर को पश्चिमी जोन के श्रेणी तीन के अंतर्गत छठी रैंक प्राप्त हुई है, जिसमें 9712 कार्य पूर्ण होने पर उल्लेखनीय योगदान के लिए 0.25 करोड़ की नगद राशि से पुरस्कृत किया गया है।

जोजरी नदी प्रदूषण के दृष्टिगत जिला कलक्टर की उपस्थिति में औद्योगिक क्षेत्र का विस्तृत संयुक्त निरीक्षण

-अवैध बाईपास, रंगीन अपशिष्ट जल एवं ड्रेनेज अनियमितताओं का अनावरण
-दोषी इकाइयों पर नियमानुसार होगी कठोर कार्रवाई

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जोजरी नदी में प्रदूषण के संदर्भ में लिए गए सुओ-मोटो संज्ञान के अनुपालना में जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल की उपस्थिति में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (RSPCB) एवं रीको द्वारा आज औद्योगिक क्षेत्र का व्यापक संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन, ड्रेनेज प्रणाली की वास्तविक स्थिति तथा संभावित प्रदूषण स्रोतों का सत्यापन करना था। निरीक्षण के दौरान RIICO ड्रेन सहित समस्त ड्रेनेज तंत्र का स्थल-स्तरीय अवलोकन किया गया। प्रारंभिक बिंदु पर अपशिष्ट जल अनुपस्थित मिला, परंतु आगे बढ़ने पर रंगीन अपशिष्ट जल का अत्यधिक प्रवाह पाया गया, जिससे औद्योगिक इकाइयों द्वारा अपशिष्ट जल के अवैध बाईपास की गंभीर संभावना परिलक्षित हुई। कई स्थलों से अपशिष्ट जल के नमूने संकलित किए गए। CETP पाइपलाइन पर तीन अवैध बाईपास बिंदु चिन्हित किए गए तथा कुछ स्थानों पर घरेलू एवं औद्योगिक अपशिष्ट जल का अनधिकृत प्रवाह RIICO ड्रेन में पाया गया। फ्लो मापन में 1 MLD से 8 MLD तक की असामान्य वृद्धि दर्ज हुई, जो अतिरिक्त तथा अनियमित अपशिष्ट जल प्रवाह का स्पष्ट संकेत है। निरीक्षण उपरांत JPNT प्लांट में जिला कलक्टर, नगर निगम, जोधपुर डिस्कॉम, पीएचईडी, जोधपुर विकास प्राधिकरण, रीको एवं प्रमुख औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में CETP संचालन की दक्षता बढ़ाने, ड्रेनेज प्रणाली की रियल-टाइम मॉनिटरिंग, अवैध बाईपास के तत्काल निराकरण तथा औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण को सुदृढ़ बनाने के लिए समन्वित कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में यह स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का अक्षरशः पालन सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाएगा। पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाली किसी भी औद्योगिक इकाई के विरुद्ध RSPCB एवं रीको द्वारा नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जोजरी नदी के संरक्षण एवं क्षेत्रीय पर्यावरणीय गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके।

विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बाड़मेर जिला कलक्टर टीना डाबी को जल संचय जन भागीदारी में प्रथम पुरस्कार से किया सम्मानित

बाड़मेर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जल संचय—जन भागीदारी में बाड़मेर के प्रथम स्थान पर रहने पर जिला कलेक्टर टीना डाबी को पुरस्कृत किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार व जल संचय—जन भागीदारी पुरस्कार में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि सभ्यता और जल में सीधा सम्बंध है। दुनियाभर की सभ्यताएं नदियों, बांधों के किनारे विकसित हुई। जल का महत्व इससे आंका जा सकता है कि वंदे मातरम का पहला शब्द सुजलाम है। सरकार के साथ ही व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक प्रयास और समन्वय से ही जल संरक्षण की योजनाओं को सफल बनाया जा सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केंद्र और राज्य सरकारों, जिला प्रशासनों, ग्राम पंचायतों और नगर निकायों के स्तर पर जल संरक्षण और उसके सुसंगत प्रबंधन को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने किसानों और उद्यमियों को जल का उपभोग कम करते हुए उत्पादन को अधिकतम करने के नवोन्मेषी तरीके अपनाने की सलाह दी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वपूर्ण अभियान "कैच द रेन" को बाड़मेर जिले में अपार सफलता मिली है। इसे जन आन्दोलन बनाकर धरातल पर लागू करने के लिए जिला कलेक्टर टीना डाबी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में अभूतपूर्व प्रयास किए हैं। इस नवावार को केन्द्र सरकार ने जल संचय जन भागीदारी अभियान में प्रथम पुरस्कार के लिए चुना। टांका निर्माण के जरिए बारिश के पानी को सहेजने की अभिनव पहल के तहत प्रथम श्रेणी में चयनित बाड़मेर जिले को 2 करोड़ रुपए के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ड़मेर जिला कलक्टर टीना डाबी ने इस सफलता का श्रेय बाड़मेर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों एवं कार्मिकों की टीम को देते हुए बताया कि टीम वर्क के चलते यह कामयाबी मिल पाई। आगामी समय में बेहतरीन कार्य करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बाड़मेर जिले में बारिश के पानी को सहेजने के लिए वृहद स्तर पर टांकों का निर्माण कराया गया है। इसकी बदौलत अब तक व्यर्थ में बहने वाला बारिश के पानी को ग्रामीण पेयजल के बतौर इस्तेमाल कर रहे है। इस अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए जल संरचनाओं में भवनों की छतों पर वर्षा जल संचयन के साथ झीलों, तालाबों और बावड़ियों का पुनरुद्धार किया जाता है। प्रथम जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) सम्मान के अंतर्गत इस वर्ष कुल 100 पुरस्कारों की घोषणा की गई। इनमें तीन शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य, 67 जिले, छह नगर निगम एक शहरी स्थानीय निकाय, दो सहयोगी मंत्रालय, विभाग, दो उद्योग, तीन गैर सरकारी संगठन, दो परोपकारी और 14 नोडल अधिकारी शामिल हैं।

नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान

-दधिमती महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत दधिमती महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से विक्रम ज्याणी ने कहा कि नशे के खिलाफ चल रहे इस अभियान में एक बहन और उसका भाई मिलकर इस अभियान में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। अपनी राखी की जिम्मेदारी समझो और समाज को सुरक्षित बनाने में साझेदार बनो। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं की एक छोटी सी पहल भी परिवार और समाज को नशे के दंश से बचा सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्या डॉ. निरूपा शर्मा ने विद्यार्थियों से जोरदार अपील की कि हम सबको इस अभियान से जुड़ना है और दूसरों को भी साथ जोड़ना है, तभी नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति की शपथ ली तथा नशा मुक्ति सुरक्षा कवच बैज वितरण किए गए। कार्यक्रम में रश्मि कटारिया, कंचन आहूजा, पुष्पा गांधी, जितेंद्र शर्मा सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे। पुलिस कांस्टेबल प्रवीण कुमार ने साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के लिए युवाओं को जागरूक किया।

महिला इंजीनियरिंग कॉलेज में वार्षिक खेल महोत्सव तक्ष 2025 जारी छात्राओं के बीच रोमांचक मुकाबले

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय महिला इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव तक्ष 2025 के दूसरे दिन एथलेटिक्स, फील्ड इवेंट्स और इंडोर गेम्स में छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए। पूरे दिन छात्राओं में उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धात्मक भावना देखने को मिली। प्राचार्य डॉ. प्रकृति त्रिवेदी, खेलकूद प्रभारी डॉ. विजय शर्मा एवं सह-प्रभारी पवन इनाणिया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फील्ड इवेंट्स में प्रतिभागियों ने शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। शॉटपुट में रेनू जोधा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में हिरल विजेता और रेनू जोधा उपविजेता बनीं। हाई जंप में कुमकुम प्रथम तथा प्रीति द्वितीय स्थान पर रहीं। लॉन्ग जंप में भावना ने शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि खुशबू दूसरे स्थान पर रहीं।

ट्रिपल जंप में शिवांगी ने स्वर्ण तथा प्रीति असवर ने रजत पदक जीता। स्प्रिंट और मिड-डिस्टेंस दौड़ में भी छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड़ में भावना चौहान प्रथम रहीं। 200 मीटर स्पर्धा में भावना चौहान ने स्वर्ण जबकि प्रीति असवर ने रजत पदक प्राप्त किया। 400 मीटर इवेंट में कुमकुम राठौड़ प्रथम और ऋधिमा भारद्वाज द्वितीय रहीं। 800 मीटर की बाधा दौड़ में सुहानी ओझा विजेता और कुमकुम राठौड़ उपविजेता रहीं। प्रतियोगिताओं के सफल एवं सुचारू संचालन में वरुण प्रकाश सक्सेना, डॉ. मधु तोशनीवाल, ईशा मंडिया सहित अन्य टीम सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तक्ष का तीसरा दिन टीम स्पोर्ट्स के फ़ाइनल मुकाबलों के साथ और अधिक रोमांचक होने की उम्मीद है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिले में अब तक 99.52 प्रतिशत हुआ ईएफ फॉर्म वितरण का कार्य

-मतदाताओं को ईएफ फॉर्म भरकर 4 दिसम्बर तक बीएलओ के पास करवाना होगा जमा

जालोर (रॉयल पत्रिका)। जिले में मंगलवार 4 नवम्बर से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गणना प्रपत्र वितरण प्रारंभ हो गया है। जिले में अब तक दिन में 15 लाख 15 हजार 848 (99.52 प्रतिशत) गणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वितरित किए गए। जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 15 लाख 23 हजार 143 हैं, जिसमें से 99.52 प्रतिशत मतदाताओं को ईएफ फार्म का वितरण किया जा चुका हैं। मतदाताओं को 4 दिसंबर तक अपनी एक नवीनतम रंगीन फोटो एवं आवश्यक सूचनाओं के साथ भरा हुआ गणना प्रपत्र अपने बीएलओ को जमा करवाना होगा। जिले में मतगणना प्रपत्रों का सर्वाधिक वितरण भीनमाल विधानसभा में लगभग 99.94 प्रतिशत किया जा चुका है। वही रानीवाड़ा विधानसभा में 99.86 प्रतिशत, सांचौर विधानसभा में 99.56 प्रतिशत, आहोर विधानसभा में 99.80 प्रतिशत व जालोर विधानसभा में 98.45 प्रतिशत मतदाताओं को परिगणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं तथा बीएलओ द्वारा निरन्तर घर-घर जाकर ईएफ फॉर्म भरवाने का कार्य किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गांवडे ने जिले के मतदाताओं से अपील की है कि हर योग्य मतदाता 4 दिसंबर तक अपनी एक नवीनतम रंगीन फोटो एवं आवश्यक सूचनाओं के साथ भरा हुआ गणना प्रपत्र अपने बीएलओ को जमा करा कर स्वच्छ एवं सही मतदाता सूची निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें एवं लोकतंत्र के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करें।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 में मतदाता गणना प्रपत्र ऑनलाइन भरकर भी जमा करा सकते हैं-

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने के लिए ऑनलाइन माध्यम का उपयोग करने की भी सुविधा दी है।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक: सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये करें गंभीरतापूर्वक प्रयास

-विभागीय अधिकारियों को जिला कलक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

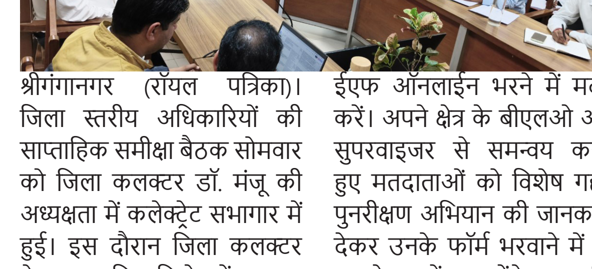

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ सभी गंभीरतापूर्वक प्रयास करें। बैठक में उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय के निर्देशानुसार जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये आवश्यक गतिविधियां और कार्य सुनिश्चित किये जायें। क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाई जाये। घुमावदार मोड पर संकेतक, स्पीड ब्रेकर और स्पीड लिमिट की जानकारी देने वाले बोर्ड लगाये जायें। वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों की पालना के लिये गतिविधियां की जायें। चिन्हित दुर्घटना स्थलों पर दुर्घटनाएं रोकने के लिये भी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी अधिक से अधिक ईएफ ऑनलाईन भरने में मदद करें। अपने क्षेत्र के बीएलओ और सुपरवाइजर से समन्वय करते हुए मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी देकर उनके फॉर्म भरवाने में भी सहयोग करें। उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियां संचालित हो रही हैं। समस्त कार्मिक इनमें सहयोग करें। मतदाताओं को यह बताएं कि ईएफ ऑनलाईन भरने के साथ-साथ उन्हें सम्पूर्ण प्रक्रिया में केवल परिगणना प्रपत्र में ही सूचनाओं को भरना है। किसी भी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं देना है। जिला स्तरीय जनसुनवाई और संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने आमजन की परिवेदनाओं के समुचित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि जनसुनवाई के साथ-साथ संपर्क पोर्टल पर आने वाले सभी प्रकरणों में संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्यवाही कर परिवादी को राहत पहुंचाई जाये। समस्त प्रकरणों को समयबद्ध रूप से निस्तारित करते हुए परिवादियों को संतुष्टि और राहत मिल सके, ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें।

युवाओं को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी व जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान की दिशा निर्देशन में जिला परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा मनाई जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत शरद महोत्सव में युवाओं के मध्य यातायात नियमों को लेकर समारोह का आयोजन किया गया। जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव ने बताया कि हमारा प्रयास सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है राजस्थान सरकार के आदेशों की पालना करते हुए हमारे द्वारा 15 दिवसीय विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया था। हमारे द्वारा वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया वाहन चालकों तथा राजगीरों के मध्य पंम्लेट का वितरण का कार्य किया गया। यातायात नियमों संबंधित जिला मुख्यालय पर होर्डिंग लगवाई गई पूरे जिले में महाविद्यालय स्तर पर समझाइश अभियान चलाया गया। वाहन चालकों की आंखों का परीक्षण कराया गया। सरकारी इमारतों पर यातायात नियमों संबंधित पोस्टर लगवाएं गए हैं। सड़क सुरक्षा जागरूकता मुहिम विभाग की ओर से निरंतर जारी रहेगी।

समारोह में डिप्टी फिजिकल बृजेंद्र सिंह ने युवाओं से कहा कि वह वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें तथा स्वयं भी सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक युवा की वर्ग अकाल मृत्यु होती है। दरअसल वह जोश में होश खो बैठे हैं। इसलिए वाहन चलते समय स्वस्थचित् के साथ वाहन चलाएं, कभी भी मोबाइल पर बातें ना करें और यातायात संकेतों का पालन करें।

वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक विजय उदैनीय ने कहा कि सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत परिवहन विभाग द्वारा बीते 15 दिवस से निरंतर विभिन्न प्रकार आयोजनों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति सचेत करने का कार्य किया जा रहा है। हमारा यह नैतिक दायित्व है कि हम उन्हें सहयोग प्रदान करें और यातायात नियमों का पालन करें और अपने जीवन को सुखमय बनाएं। परिवहन निरीक्षक श्रीकांत कुमावत ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में हुई मृत्यु में एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरा परिवार संकट के दौर से गुजरता है इसलिए वहां चलते समय सदैव इस बात का ध्यान रखें कि आपके पीछे आपका पूरा परिवार आपका घर पर इंतजार कर रहा है।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती में 55 का हुआ चयन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिले के युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती शिविर में 55 युवाओं का चयन किया गया है। कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) ने बताया कि सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर भर्ती चयन परीक्षा ग्रामीण एवं शहरी शिक्षित बेरोजगार युवाओं का अजमेर जिले में तहसील स्तर पर भर्ती चयन परीक्षा आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार 18 नवम्बर को राजकीय आईटीआई केकड़ी में किया गया। इसमें 175 युवाओं ने भाग लिया। मापदंड के आधार पर नीमच से आए भर्त अधिकारी महिपाल सिंह सिनसिनवार ने 55 युवाओं का चयन किया। बुधवार 19 नवम्बर को राजकीय आईटीआई टांटोटी में, गुरूवार 20 नवम्बर को राजकीय आईटीआई नसीराबाद में, शुक्रवार 21 नवम्बर को राजकीय आईटीआई मसूदा में, सोमवार 24 नवम्बर को राजकीय आईटीआई ब्यावर, मंगलवार 25 नवम्बर को राजकीय आईटीआई अजमेर में एवं बुधवार 26 नवम्बर को राजकीय महिला आईटीआई अजमेर में किया जाएगा। वरिष्ठ भर्ती अधिकारी महिपाल सिंह एवं सहायक भर्ती अधिकारी रामेश्वर लाल प्रजापती ने बताया कि शारीरिक मापदंड के अनुसार शिविर आयोजित किए जा रहे है। सम्बन्धित आईटीआई में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक भर्ती परीक्षा का आयोजन रहेगा। अभ्यार्थी की लम्बाई 168, वजन 56 किलो से 90 किलो तक, उम्र 19 वर्ष से 40 वर्ष तक तथा 80-85 सीना वाले दसवीं उत्तीर्ण, अनुर्तीण एवं ग्रेजुएट भाग ले सकते है। जिले में एवं जिले के बाहर काम करने के इच्छुक चयनित उम्मीदवार को फिजिकल के बाद रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसमें एक माह के प्रशिक्षण के बाद 65 साल तक नौकरी दी जाएगी। वेतन सुरक्षा जवान के लिए 14 हजार से 24 हजार तक, सुरक्षा सुपरवाईजर के लिए 15 हजार से 35 हजार तक तथा सुरक्षा अधिकारी के लिए 27 हजार से 35 हजार तक एवं अन्य सुविधाएं जैसे पीएफ पेंशन, ग्रेज्युटी, बीमा, सालाना वेतन वृद्धि, आवास एवं मैस की सुविधा 100 प्रतिशत जोब में रहेगी।

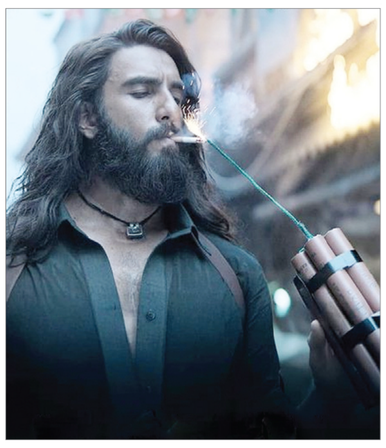

धुरंधर का टेलर रिलीज : भारत के गुप्त मिशन की रोमांचक झलक

रणवीर सिंह का अब तक का सबसे तीखा अवतार

फिल्म धुरंधर के मेकर्स पिछले एक हफ्ते से लगातार कैरेक्टर पोस्टर्स जारी कर रहे थे, जिनमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और रणवीर सिंह का इंटेंस रूप दिखाया गया था। इन पोस्टर्स ने दर्शकों में रोमांच पहले से बढ़ा दिया था। आज आखिरकार फिल्म का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज कर दिया गया, जिसने फिल्म की कहानी और किरदारों की गहराई का अंदाजा दे दिया। ट्रेलर करीब चार मिनट का है, जिसमें आतंकवाद की दुनिया, पाकिस्तान में छिपे नेटवर्क और भारत के गुप्त ऑपरेशंस की झलक दिखाई देती है। हर किरदार का आक्रामक, खतरनाक और डार्क पक्ष दर्शकों को तुरंत अपनी ओर खींच लेता है। फिल्म की कहानी असल घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है।

प्रेग्नेंसी रूमर्स पर भड़कीं टीवी एक्ट्रेस सायंतनी घोष

पोस्ट लिख बोलीं- ये क्या बकवास है? मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं

टीवी एक्ट्रेस सायंतनी घोष अपनी प्रेग्नेंसी रूमर्स की वजह से सुर्खियों में हैं। अब एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इन अफवाहों पर बात की है। सबसे पहले तो उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रही खबरों को सिरे से खारिज किया है। साथ ही अपने पोस्ट में बॉडी शेमिंग करने वालों को खूब खरी-खोटी भी सुनाई है। सायंतनी मेरी बॉडी, मेरी लाइफ, मेरी च्वाइस कैप्शन के साथ लिखती हैं- 'मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं। एक लेटेस्ट इंटरव्यू में मुझसे पूछा गया कि क्या मैं मां बनने वाली हूं? लोगों के ऐसे सोचने के पीछे की वजह जानकर मैं हैरान रह गई। क्योंकि आजकल मैं ढीले कपड़े पहन रही हूं तो लोगों को लगता है, मैं प्रेग्नेंट हूं।

रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा के साथ हुआ डरावना हादसा

फ्लाइट ने लैंड करते ही दोबारा उड़ान भरी,- बेटी डरी हुई आंखों से देख रही थी

रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी ने हाल ही में फ्लाइट में सफर किया था। जिस बीच हुई गड़बड़ी से वो सहम गई। उनके साथ सफर में बेटी समारा भी मौजूद थी, जो बेहद डरी हुई थीं। रिद्धिमा ने बताया कि उनकी फ्लाइट लैंड हो रही थी, लेकिन लैंडिंग के ठीक बाद फ्लाइट ने दोबारा उड़ान भर दी, जिससे उनकी धड़कनें थम सी गई थीं। रिद्धिमा ने इस घटना की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। उन्होंने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, 'आज मेरी बेटी और मैंने एक ऐसा पल महसूस किया जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगी। हमारी फ्लाइट जमीन पर उतरी ही थी कि अचानक फिर से आसमान की ओर उड़ने लगी। उन कुछ सेकंड्स में हमारी धड़कनें थम-सी गई। मैंने उसका (बेटी समारा) हाथ बहुत कसकर पकड़े रखा, जबकि वह डर से भरी आंखों से मुझे देख रही थी, और मैं बस उसके लिए मजबूत बने रहने की कोशिश कर रही थी, अंदर से अपनी सांसों को संभालते हुए।'

स्ट्रेस-बस्टर साबित होगी मस्ती 4

रुही सिंह

आखिर क्यों कही फिल्म के लिए हां

बॉलीवुड की दुनिया में कुछ फिल्में मनोरंजन के साथ-साथ हंसी और मस्ती का भरपूर अनुभव कराती हैं। ऐसी ही एक फिल्म है 'मस्ती 4', जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर अभिनेत्री रुही सिंह ने एक इंटरव्यू में अपने अनुभव और विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि फिल्म में हर तरह के दर्शक का ध्यान रखा गया है और यह फिल्म देखने वालों के लिए एक हल्का-फुल्का मनोरंजन और स्ट्रेस-बस्टर साबित होगी। रुही सिंह ने कहा कि हर फिल्म का अपना अलग मजा होता है और 'मस्ती 4' उसी की एक बेहतरीन मिसाल है। फिल्म में हंसी का पूरा खजाना है और अगर कोई अपने दिनभर के तनाव से छुटकारा पाना चाहता है तो यह फिल्म उनके लिए परफेक्ट है। रुही ने कहा कि इस फिल्म को देखने के लिए ज्यादा सोचने-समझने की जरूरत नहीं है, बस थिएटर जाएं और दिल खोलकर हंसें। उन्होंने आगे बताया कि मस्ती फ्रेंचाइज़ी हमेशा अपने खास दर्शक वर्ग के लिए बनती आई है और हर फिल्म का अपना अलग अंदाज और स्वाद होता है। 'मस्ती 4' इसी शैली को आगे बढ़ा रही है और इसमें दर्शक बिना किसी तनाव या चिंता के फिल्म देख सकते हैं। रुही ने आफताब शिवदसानी के साथ अपनी जोड़ी के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'आफताब बेहद मिलनसार इंसान हैं। उनका स्वभाव बहुत नरम और शालीन है और वह दिल से बहुत अच्छे हैं। मेरे परिवार और दोस्त आफताब के फैन हैं। उनके साथ स्क्रीन पर काम करना एक शानदार अनुभव रहा और इस मौके को पाकर मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं।' इसके अलावा रुही ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि रितेश देशमुख शानदार हैं। विवेक ओबेरॉय की उपस्थिति हमेशा यादगार रहती है और अरशद वारसी लंबे समय से मेरे पसंदीदा अभिनेता हैं। सेट पर उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना अद्भुत अनुभव था।

सलीम खान-सलमा की 61वीं सालगिरह का सेलिब्रेशन

सलमान खान टाइट सिक्योरिटी में पहुंचे हेलन भी शामिल हुई

सोहेल के घर में रखी गई थी पार्टी राइटर सलीम खान और उनकी पहली पत्नी सलमा (सुशीला चरक) की शादी की आज 61वीं सालगिरह है। इस खास मौके का जश्न मनाने के लिए सोमवार को उनके बेटे सोहेल खान ने घर में पार्टी रखी थी, जिसमें खान परिवार समेत कई सेलेब्स शामिल हुए हैं। बता दें कि सलीम खान ने 18 नवंबर 1964 को सुशीला चरक से शादी की, जिनका शादी के बाद नाम सलमा खान कर दिया गया था। इस शादी से सलीम खान को 4 बच्चे सलमान, अरबाज, सोहेल और बेटी अलवीरा हैं। राइटर सलीम खान और उनकी पहली पत्नी सलमा (सुशीला चरक) की शादी की आज 61वीं सालगिरह है। इस खास मौके का जश्न मनाने के लिए सोमवार को उनके बेटे सोहेल खान ने घर में पार्टी रखी थी, जिसमें खान परिवार समेत कई सेलेब्स शामिल हुए हैं। सलमान खान टाइट सिक्योरिटी के साथ सोहेल खान के घर पहुंचे हैं।

पेरेंट्स की सालगिरह में सलमान खान ने ऑल ब्लैक लुक अपनाया है। पेरेंट्स की सालगिरह में सलमान खान ने ऑल ब्लैक लुक अपनाया है। सोनाक्षी सिन्हा पति जहीर इकबाल के साथ इस सेलिब्रेशन का हिस्सा बनी हैं। सोनाक्षी सिन्हा पति जहीर इकबाल के साथ इस सेलिब्रेशन का हिस्सा बनी हैं। सलीम खान की दूसरी पत्नी हेलेन के साथ कई फिल्मी एक्ट्रेस इस जश्न में शामिल हुईं।

दर्दनाक है बॉलीवुड के इस खूंखार विलेन की कहानी

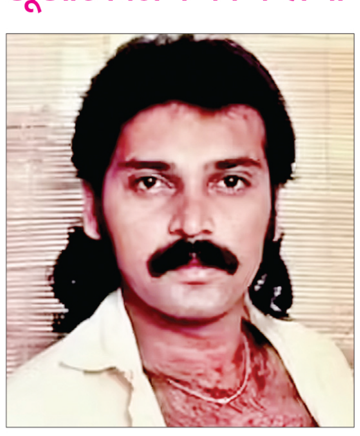

12 अफेयर्स रहे, कुछ के साथ लिव-इन रिलेशन में भी थे

फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कई कहानियां हैं, जहां सितारे शोहरत की ऊंचाइयों तक पहुंचे, लेकिन अंत बेहद दर्दनाक हुआ। 90 के दशक के मशहूर विलेन महेश आनंद की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। सफलता आसमान में उड़ती पतंग की तरह होती है, ऊंची जरूर उड़ती है, लेकिन एक न एक दिन नीचे आ ही जाती है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कई कहानियां हैं, जहां सितारे शोहरत की ऊंचाइयों तक पहुंचे, लेकिन अंत बेहद दर्दनाक हुआ। 90 के दशक के मशहूर विलेन महेश आनंद की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। 80 और 90 के दशक में कई विलेन आए और गए, लेकिन महेश आनंद की पर्सनैलिटी, हाइट और खौफनाक लुक्स ने उन्हें अलग पहचान दी।मार्शल आर्ट्स में ब्लैक बेल्ट मिला। अमिताभ बच्चन, गोविंदा और अक्षय कुमार जैसे स्टार्स के साथ काम किया। एक्टर के शुरुआती रोल छोटे थे, लेकिन शहंशाह ने उन्हें स्टार बना दिया। अमिताभ के साथ उनकी केमिस्ट्री इतनी जम गई कि इसके बाद वह कई फिल्मों में लगातार खलनायक बने रहे। करीब 300 फिल्मों में काम करके उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी मजबूत जगह बनाई।

यामी गौतम 'हक' में दमदार परफॉर्मेंस, बॉलीवुड की सबसे प्रभावशाली एक्ट्रेस

किसी फिल्म को अपने कंधों पर उठाना आसान काम नहीं है, और यामी गौतम धर इसे लगातार साबित करती रही हैं। उन्होंने एक बार फिर 'हक' में अपना कमाल दिखाया। सालों के दौरान कहा जा सकता है कि यामी गौतम धर बॉलीवुड की सबसे असरदार एक्टर्स में से एक साबित हुई हैं। लेकिन उनके सफर में एक बात साफ झलकती है, वह कम बोलती हैं लेकिन उनके काम बोलते हैं, जोरदार तरीके से, और वह ज्यादा नजर नहीं आतीं या ज्यादा बाहर नहीं जातीं, जिससे उनका हुनर खुद ब खुद नजर आता है। 'हक' में यामी एक बार फिर ऐसी परफॉर्मेंस की है, जो न सिर्फ पसंद आने वाला है बल्कि सच में पूरे देश में सराहना के लायक भी है। उनकी मेहनत और शांत तरीके ने दर्शकों को उनकी प्रतिभा की तारीफ करने पर मजबूर कर दिया है। हर नए किरदार के साथ वह अपनी काबिलियत दिखाती हैं

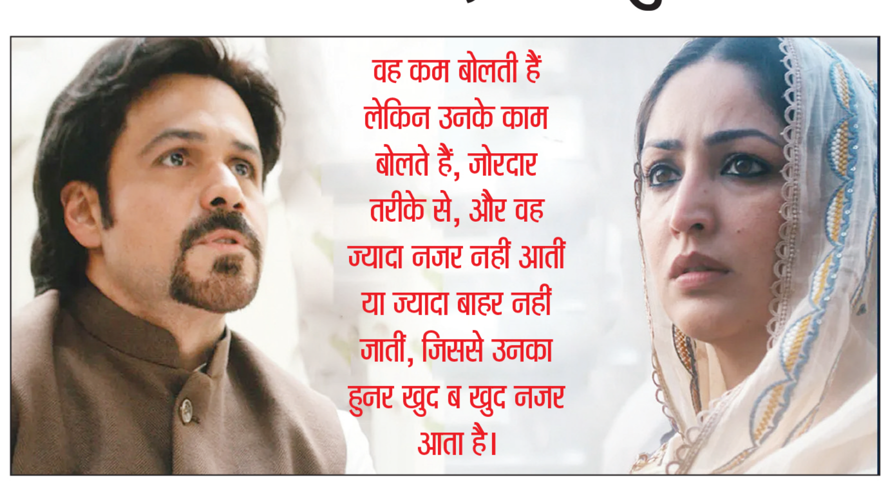

और उन्हें मिलने वाले सभी पुरस्कार और सम्मान बिलकुल सही हैं। 'ए थर्सडे' से लेकर 'दसवी', 'ओएमजी 2', 'चोर निकल के भागा', 'आर्टिकल 370', 'धूम धाम' और अब 'हक' तक, यामी गौतम धर ने साबित कर दिया है कि वह पूरे फिल्म को अपने दम पर संभाल सकती हैं। 'हक' इसे और भी मजबूत बनाता है क्योंकि बहुत कम ही लोग वह असर दिखा पाते हैं जो यामी देती हैं। जब उनके समकालीन सितारे दीपिका और आलिया जैसी टॉप स्टार्स हैं, तब भी यामी दिखाती हैं कि वह क्या कर सकती हैं और अपने किरदार की संघर्ष से पूरे देश को छूने वाली बेहतरीन अभिनेत्री हैं। वह शोर-शराबे के पीछे नहीं भागतीं; हर बार स्क्रीन पर आने पर अपनी चमक खुद बनाती हैं। पर्दे के बाहर उनकी शांति और स्क्रीन पर उनके अभिनय की ताकत का फर्क बहुत खूबसूरती से दिखाई देता है और आज के दौर में यह देखना बहुत ही खास है।

दिनेश विजन का धमाका

मैडॉक फिल्म्स ने घोषित की जबरदस्त फ्रेंचाइज़ी एक्सपैंशन की प्लानिंग

एक अवॉर्ड नाइट में दिनेश विजन ने अपना बड़ा और दमदार प्लान सबके सामने रखा—हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स को अगले लेवल पर ले जाना। उन्होंने बताया कि मैडॉक आने वाले पाँच सालों में सात नई हॉरर-कॉमेडी फिल्में लाने वाला है, ताकि ऐसा तगड़ा फ्रेंचाइज़ बनाया जाए जिसे लोग सालों तक याद रखें। इवेंट में विजन ने समझाया कि ऑडियंस-फ्रेंडली यूनिवर्स तभी चलते हैं जब उन्हें फालतू खींचा न जाए। उनके मुताबिक, 'तीन-चार फिल्मों का गैप ही सही मीठा संतुलन है।' यानी मैडॉक जल्दबाज़ी में नहीं, बल्कि लंबे समय चलने वाले यूनिवर्स को धीरे-धीरे मजबूत करने में भरोसा रखता है। भले ही कई बड़ी फिल्में इन दिनों उम्मीद के मुताबिक न चली हों, लेकिन मैडॉक की जड़ वाली कहानियाँ—कॉमेडी से लेकर लोककथाओं से प्रेरित फैंटेसी तक—अब भी दर्शकों के दिल में जगह बना रही हैं। विजन का कहना है कि यह स्टेबिलिटी इसलिए है क्योंकि वे 'निडर, अलग और कल्चरल कहानियाँ' चुनते हैं, न कि गिसी-पिटी फ़ॉर्मूलों के पीछे भागते हैं। विजन ने यह भी कहा कि आज फिल्म का असली मुकाबला किसी दूसरी फिल्म से नहीं, बल्कि स्मार्टफोन से है, जिसने लोगों का समय छोटे-छोटे वीडियो की तरफ मोड़ दिया है। इसी वजह से मैडॉक ने प्लेटफॉर्म-न्यूट्रल सोच अपनाई है, जहाँ कोई भी कहानी थिएटर, ओटीटी या मोबाइल—कहीं भी आसानी से फिट हो सके। विजन ने सबसे बड़ा गेम-चेंजर बताया। उनके अनुसार, अगले 18 से 24 महीनों में फोटो-रियल इमेजिंग और किफायती ड्रकस्र्ग की वजह से फिल्ममे किंग की पूरी इकॉनॉमिक्स बदल जाएगी। प्रोडक्शन क्वालिटी बढ़ेगी, कहानियों की पहुँच और बड़ी होगी—लेकिन साथ ही हर क्रिएटर के पास बनाने की ताकत होगी, जिससे दर्शकों का ध्यान खींचना और कठिन हो जाएगा। मैडॉक की आने वाली मेन फिल्मों में से एक है इक्कीस—एक इमोशनल वॉर ड्रामा, जिसे श्रीराम राघवन ने डायरेक्ट किया है और जो दूसरे लेफ़्टिनेंट अरुण खेतरपाल की बहादुर जिंदगी से प्रेरित है।

पुलकित सम्राट की फिल्म 'राहु केतु' की रिलीज डेट का ऐलान

बॉलीवुड स्टार पुलकित सम्राट की फिल्म 'राहु केतु' की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। फिल्म 16 जनवरी 2026 को रिलीज़ होगी। पुलकित सम्राट अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं, जो अगले साल की शुरुआत में, 16 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। पुलकित अब 'राहु केतु' के साथ एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। यह फिल्म उन्हें एक पावर-पैक्ड, मास-अपीलिंग किरदार में पेश करेगी, जो उनके दर्शकों के दिलों में सीधा उतरने वाला है। विपुल विग द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस ने किया है। इस फिल्म में पुलकित के साथ महत्वपूर्ण भूमिका में वरुण शर्मा भी हैं।इनके साथ ही इस फिल्म में शालिनी पांडे भी नजर आएंगी।

(साभार एजेंसी)

पांच प्लेयर्स भारत की सीनियर टीम में शामिल

मिनर्वा की प्रोडक्शन लाइन फिर चमकी

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल विकास की कहानी को एक और बड़ी मजबूती देते हुए मिनर्वा एकेडमी ने एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर अपनी अद्वितीय भूमिका साबित की है। उसके पांच ग्रेजुएट्स– बिकाश, अनवर, संदेश, विक्रम प्रताप और प्रमवीर –को एएफसी अभियान के लिए भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। यह चयन भारतीय फुटबॉल हलकों में लंबे समय से स्वीकार की जा रही सच्चाई को दोहराता हैः मिनर्वा की टैलेंट पाइपलाइन देश की सबसे निरंतर और भरोसेमंद प्रतिभा देने वाली प्रणालियों में से एक है।

एक ऐसी एकेडमी के लिए जिसने भारत के फुटबॉल इकोसिस्टम को बदलने के साहसिक लक्ष्य के साथ शुरुआत की थी, यह उपलब्धि उसकी ग्रासरूट-फर्स्ट फिलॉसफी की एक और पुख्ता पुष्टि है। साल दर साल, मिनर्वा ने कच्ची प्रतिभा को

पहचानने, संरचित मार्ग प्रदान करने और विभिन्न आयु वर्गों में राष्ट्रीय सेटअप को लगातार खिलाड़ियों की आपूर्ति करने की प्रतिष्ठा बनाई है।

यह नवीनतम उपलब्धि मिनर्वा के उस बढ़ते हुए सूची में एक और अध्याय जोड़ती है, जिसमें उसके विकसित खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व उच्चतम स्तर पर कर चुके हैं। साथ ही यह दिखाती है कि एकेडमी-ड्रिवन मॉडल राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी पूल को मजबूत करने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

जैसे ही सीनियर स्क्वाड अपने एएफसी अभियान की तैयारी कर रहा है, भारतीय फुटबॉल पर मिनर्वा की छाप एक बार फिर स्पष्ट है–यह याद दिलाते हुए कि एकेडमी की मिट्टी से राष्ट्रीय जर्सी तक का सफर न सिर्फ संभव है, बल्कि उसके सिस्टम में निखरने वाले खिलाड़ियों के लिए अब बेहद आम होता जा रहा है।

19 नवंबर का वो दिन, जब आयरन लेडी कर्णम मल्लेश्वरी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल इतिहास में '19 नवंबर' का दिन बेहद खास रहा है। साल 1995 में इसी दिन महिला वेटलिफ्टर कर्णम मल्लेश्वरी ने चीन के ग्वांगझू में हुई विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 113 किलोग्राम वजन उठाकर 'क्लीन एंड जर्क' में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। 'आयरन लेडी' कर्णम मल्लेश्वरी ने

महज 20 साल की उम्र में 54 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 202.5 किलोग्राम भार उठाते हुए गोल्ड जीता। अन्य सात भार वर्गों में चीनी वेटलिफ्टर विजेता रहे थे। इससे पहले साल 1994 में इस्तांबुल में भी कर्णम मल्लेश्वरी विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम कर चुकी थीं। 1 जून 1975 को श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश) के वोसावनिपेटा गांव में जन्मीं कर्णम मल्लेश्वरी ने बहन के नक्शेकदम पर चलते हुए वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। पिता कॉलेज स्तर पर फुटबॉलर रहे थे। ऐसे में बेटियां भी पिता की तरह खेल में अपना करियर बनाना चाहती थीं। महज 13 साल की उम्र में कर्णम मल्लेश्वरी ने वजन उठाना शुरू कर दिया था। साल 1994 और 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल अपने नाम करने से चूक गईं। उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने सिडनी ओलंपिक की तैयारियां शुरू कर दीं। आखिरकार, 2000 सिडनी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी ने इतिहास रच दिया। उन्होंने स्नैच में 110 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 130 किलोग्राम भार उठाया। कुल 240 भार के साथ कर्णम मल्लेश्वरी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। कर्णम मल्लेश्वरी 2002 कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को एक और पदक जिताने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन इसी बीच पिता के निधन ने उन्हें झकझोर दिया। साल 2004 में वह ग्रीस में हुए ओलंपिक गेम्स में उतरीं, लेकिन दुर्भाग्य से पदक नहीं जीत सकीं। कुछ समय बाद उन्होंने अपने करियर से संन्यास का ऐलान कर दिया।

बांग्लादेश में तनाव, स्थगित हो सकता है पड़ोसी मुल्क की महिला क्रिकेट टीम का भारत दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी फ्यूचर टूर प्रोग्राम के तहत दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की आगामी घरेलू सीरीज कथित तौर पर बांग्लादेश में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण स्थगित हो सकती है। भारत और बांग्लादेश की महिला टीमों के बीच इस सीरीज में 3 वनडे और 3 टी20 मैच शामिल हैं। दोनों देशों के बीच इन मुकाबलों के लिए विशिष्ट तिथियों और स्थानों की घोषणा नहीं की गई थी, लेकिन इस सप्ताह बांग्लादेश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम से पहले ही दौरे का कार्यक्रम अनिश्चित था।

'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' के अनुसार, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से एक पत्र मिला है, जिसमें कहा गया है कि सीमित ओवरों की सीरीज को बाद की तारीख के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा। भले ही इसके पीछे का कोई विशेष कारण नहीं बताया गया, लेकिन माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच जारी राजनीतिक तनाव ने सीरीज के स्थगित होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दोनों देशों के बीच इस सीरीज के मुकाबले कोलकाता और कटक में होने वाले थे। वनडे मुकाबले दोनों टीमों के लिए महिला वनडे चैंपियनशिप के नए चरण की शुरुआत का प्रतीक थे। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम का बांग्लादेश में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए दौरा अगस्त 2025 में होना था, लेकिन इसे सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

बता दें कि बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने 'मानवता के खिलाफ अपराध' मामले में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाई है। 78 वर्षीय शेख हसीना को पिछले साल छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है।

यह सजा शेख हसीना की अनुपस्थिति में सुनाई गई और संयुक्त राष्ट्र ने भी इस सजा का विरोध किया है। फिलहाल शेख हसीना भारत में हैं और बांग्लादेश उनकी वापसी पर अड़ा हुआ है। पिछले कुछ समय से दोनों पड़ोसी देशों के बीच राजनयिक संबंध प्रभावित हुए हैं।

आस्ट्रेलियन ओपनः

सात्विक-चिराग की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में, त्रीसा और गोपीचंद को मिली हार

सिडनी, एजेंसी। विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ 48 मिनट तक चले पहले दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-23, 21-16 से जीत हासिल की। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने पहले दौर में चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई पर सीधे गेम में जीत दर्ज की। विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ 48 मिनट तक चले पहले दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-23, 21-16 से जीत हासिल की।

शुरुआती गेम में एक समय पिछड़ रही थी भारतीय जोड़ी

सात्विक और चिराग की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी शुरुआती गेम में एक समय 2-6 से पीछे चल रही थी। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने 16-14 तक मामूली बढ़त बनाए रखी। भारतीयों ने पलटवार करते हुए 19-17 की बढ़त बना ली, लेकिन इसके बाद मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। इसके बाद दोनों टीमों को गेम प्वाइंट मिले लेकिन आखिर में भारतीय जोड़ी अपने तीसरे गेम प्वाइंट को भुनाने में सफल रही। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम की शुरुआत में 7-4 की बढ़त बना ली, लेकिन नेट पर दो गलतियों और ताइवानी जोड़ी के एक ज़ोरदार स्मैश ने उन्हें बराबरी पर ला दिया। भारतीय जोड़ी इंटरवल तक एक अंक से आगे थी। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बरकरार रखकर मैच अपने नाम किया।

महिला युगल में हालांकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को अपने पहले मैच में इंडोनेशिया की एफ कुसुमा और एम पुष्पितसारी की जोड़ी से 10-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत, आयुष शेट्टी जैसे भारतीय एकल खिलाड़ी बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

कबड्डी स्टार नरवाल बोले-

केसीएल युवाओं को दे रहा सुनहरा मौका, वर्ल्ड टेनिस लीग पहली बार भारत में

नई दिल्ली, एजेंसी। 12 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और वर्ल्ड टेनिस लीग के सह-संस्थापक महेश भूपति ने कहा, 'भारत और टेनिस का रिश्ता बहुत पुराना है। डब्ल्यूटीएल के भारत आने से यह रिश्ता और मजबूत होगा। वैश्विक सितारों और भारतीय खिलाड़ियों का साथ में खेलना युवाओं के साथ परिवार वालों को बड़ी प्रेरणा देगा। भारत के जाने-माने कबड्डी खिलाड़ी राजेश नरवाल ने एक खास बातचीत में बताया कि कबड्डी चैंपियंस लीग हरियाणा के युवाओं के लिए एक बड़ा बदलाव ला रही है। उनके मुताबिक केसीएल ने लड़कों को ट्रेनिंग, मौके और करियर, तीनों ही स्तरों पर नई ऊर्जा दी है।

गांव से लेकर शहर तक, हर किसी को मौका

राजेश नरवाल ने बताया कि केसीएल ने हरियाणा के हर इलाके, छोटे गांव से लेकर बड़े शहर तक में कबड्डी को नई जिंदगी दी है। लीग बेहतरीन ट्रेनिंग, राष्ट्रीय स्तर का माहौल, प्रोफेशनल खेलने का अनुभव जैसी सुविधाएं दे रही है। उनके अनुसार इससे युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और करियर बनाने का बड़ा रास्ता मिल रहा है।

हरियाणा बन रहा है देश की 'स्पोर्ट्स कैपिटल'

नरवाल ने कहा कि हरियाणा को पहले से ही रेसलिंग का गढ़ माना जाता है। लेकिन केसीएल जैसी पहलें अब राज्य को कबड्डी और बाकी खेलों का हब बना रही हैं। उन्होंने कहा, 'हरियाणा खेलों की धरती है। कुश्ती और कबड्डी में हमारे खिलाड़ी हमेशा छाए रहे हैं। चष्टरुके साथ मुझे यकीन है कि हरियाणा जल्द ही देश की स्पोर्ट्स कैपिटल कहलाएगा।'

बाबर आजम पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना और डिमेरिट अंक जोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार कारण उनका खेल नहीं बल्कि अनुशासनात्मक मामला है।

रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान बाबर पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन का आरोप लगा, जिसके बाद उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया। आउट होने के बाद स्टंप्स की ओर बल्ले से गेंद मारना उनके खिलाफ कार्रवाई का आधार बना। हालांकि बाबर ने तुरंत गलती स्वीकार कर ली, लेकिन यह घटना पाकिस्तान की क्लीन स्वीप जीत के बीच चर्चा का विषय बन गई।

भारत में 17 दिसंबर से होगी विश्व टेनिस लीग, मेदवेदेव और बोपन्ना सहित कई स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बेंगलुरु एजेंसी। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यहां 17 दिसंबर से होने वाले विश्व टेनिस लीग में भारतीय प्रशंसकों के सामने अपना जलवा दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2022 में की गई थी और पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त

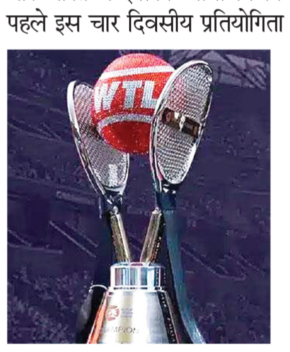

अरब अमीरात में किया जाता रहा है। मेदवेदेव और रयबाकिना के अलावा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। हाल ही में शीर्ष स्तर के टेनिस से संन्यास लेने वाले रोहन बोपन्ना, सुमित नागल, युकी भांबरी, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपती और माया रेवती लीग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रयबाकिना ने कहा, 'मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हूं। मैं अपनी टीम के साथ कोर्ट पर हर पल का आनंद लेने के लिए तैयार हूं।

विकेट को दोष देना आसान, लेकिन अपने गिरेबान में झांकना होगा : अमित मिश्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मैच को 30 रन के करीबी अंतर से गंवा बैठी। पूर्व भारतीय स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि इसके लिए विकेट को दोष देना आसान है, लेकिन खिलाड़ियों को अपने गिरेबान में झांकना होगा। भारत-साउथ अफ्रीका के बीच ईडन गार्डन्स में खेले गए इस टेस्ट मैच में टेंबा बावुमा ऐसे इकलौते बल्लेबाज रहे, जिन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। भारत को दूसरी पारी में जीत के लिए सिर्फ 124 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम इंडिया 93 रन पर सिमट गई।

इसके बाद कुछ दिग्गजों ने इस शर्मनाक हार के लिए पिच को दोषी ठहराया। अमित मिश्रा ने कहा, 'ऐसा पहली बार नहीं है कि इस तरह की विकेट मिली हो। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स निखारनी होगी। अपनी स्किल्स को सुधारने की जरूरत है। विकेट को दोष देना

आसान है, लेकिन इससे पहले अपने गिरेबान में झांकना होगा। जब हम इंग्लैंड जैसे देशों का दौरा करते हैं, तो वहां स्विंग का सामना करना पड़ता है। हम उस हिसाब से अपनी स्किल्स को सुधारते हैं। आपको समझना होगा कि किस तरह की पिच पर किस तरह से बल्लेबाजी करनी होगी। 'उन्होंने कहा, 'यह एक युवा टीम है। इसमें काफी युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें अनुभव की कमी है। सीनियर खिलाड़ियों और कोच को उनसे बात करनी होगी। इस तरह की पिच पर फुट मूवमेंट बेहद अहम है। आपको यह समझना होगा कि किन गेंदबाजों के खिलाफ शॉट खेल सकते हैं, किन गेंदबाजों के खिलाफ शॉट नहीं खेलने।

यह सभी टैलेंटेड खिलाड़ी हैं। भविष्य में यह टीम बेहतरीन हो जाएगी। साउथ अफ्रीका ने मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए पहली पारी में 159 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने 189 रन बनाकर 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में भी साउथ अफ्रीकी टीम की हालत खराब रही, लेकिन कप्तान टेंबा बावुमा की नाबाद 55 रन की पारी के दम पर टीम ने किसी तरह 153 रन बनाकर भारत को जीत के लिए 124 रन का लक्ष्य दिया। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 93 के स्कोर तक अपने 9 विकेट गंवा चुकी थी। चोटिल कप्तान शुभमन गिल इस पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतर सके। इसी के साथ टीम इंडिया को सीरीज के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा।

जर्मनी और नीदरलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्लोवाकिया को 6-0 से शिकस्त देकर जर्मनी ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यूरोपीय दिग्गजों के साथ

नीदरलैंड्स भी विश्व कप में जगह पक्की कर चुका है, जिसने लिथुआनिया को 4-0 से हराते हुए ग्रुप जी में पहला स्थान हासिल किया। लेरॉय साने जर्मनी की जीत के हीरो रहे, जिन्होंने स्लोवाकिया के खिलाफ दो गोल दागते हुए जर्मनी को लगातार 19वें विश्व कप में जगह दिलाई। निक वोल्टेमाडे ने इस मुकाबले का खाता खोला।

अब बॉक्सिंग में होगा एआई का इस्तेमाल, जूरी की हो सकती है छुट्टी?

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व मुक्केबाजी संगठन के निवर्तमान अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने दावा किया कि विश्व मुक्केबाजी मुकाबलों की समीक्षा के लिए आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल की संभावना का मूल्यांकन कर रहा है। इससे जूरी की छुट्टी हो सकती है। विश्व मुक्केबाजी प्रमुख ने स्वीकार किया कि खेल की विवादास्पद स्कोरिंग प्रणाली से उत्पन्न चुनौतियों से निपटना, 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में इस खेल का आयोजन करने वाले नए संगठन के लिए मुख्य चुनौती होगी। वैन डेर वोर्स्ट ने चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल के दौरान संवाददाताओं से कहा, 'मुख्य चुनौती यह है कि हर मुकाबले के अंत में सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज का हाथ उठाया जाता है। प्रतियोगिता की निष्ठा एक ऐसे खेल के लिए मुख्य चुनौती बनी हुई है, जिसमें जूरी शामिल होती है। '

एआई के इस्तेमाल का मूल्यांकन

एआई के इस्तेमाल के बारे में बात करते हुए वोर्स्ट ने आगे कहा, 'हम मुकाबलों की समीक्षा के लिए एआई जैसी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की जुगत में लगे हुए हैं ताकि हम प्रशंसकों और मुक्केबाजों का सिस्टम में विश्वास बहाल कर सकें। इस पर अभी काम चल रहा है और मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम इस समय इसका मूल्यांकन कर रहे हैं। 'स्कोरिंग दिक्कत का विषय चाहे पिछला संगठन

अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) हो या वर्तमान संस्था मुक्केबाजी के लिए स्कोरिंग दिक्कत का विषय बना हुआ है। ऐसा माना जा रहा है कि विश्व मुक्केबाजी को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से पूर्ण मान्यता दिलाने के लिए इसे सुलझाना एक प्रमुख मुद्दा है।

रैंकिंग प्रणाली

प्रतिस्पर्धा के स्तर को और भी बेहतर बनाने के लिए विश्व मुक्केबाजी ने हाल ही में एक रैंकिंग प्रणाली शुरू की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज किसी बड़ी प्रतियोगिता के शुरुआती दौर की बजाय, अंत में एक-दूसरे से भिड़ें। वान डेर वोर्स्ट ने कहा, 'रैंकिंग अंक रखने का उद्देश्य मुक्केबाजों को बड़े टूर्नामेंटों से पहले वरीयता देना और रैंकिंग देना है, ताकि दो सबसे मजबूत मुक्केबाज पहले ही दौर में न लड़ें। '

रैंकिंग से वरीयता तय होगी

भारत की दिग्गज मुक्केबाज निखत जरीन को ओलंपिक में वरीयता न मिलने का खामियाजा भुगतना पड़ा क्योंकि दो विश्व खिताब जीतने के बावजूद वह गैर-वरीयता प्राप्त थी और पेरिस ओलंपिक के दूसरे दौर में उनका सामना स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू से हुआ। विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू की गई वर्तमान रैंकिंग प्रणाली के तहत, एक सत्र में सभी टूर्नामेंटों में मुक्केबाजों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी रैंकिंग की जाएगी और इसी से उनकी वरीयता तय होगी।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए कैसे तय होगा क्वालीफिकेशन

यह पूछे जाने पर कि क्या रैंकिंग अंकों का उपयोग क्वालीफिकेशन के लिए किया जाएगा, वैन डेर वोर्स्ट ने कहा, 'सबसे पहले, लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन प्रक्रिया अभी तक अंतिम रूप से तय नहीं हुई है। हम यह मूल्यांकन करना चाहते हैं कि कौन सी प्रक्रिया सबसे उपयुक्त है .

नीतीश कुमार गुरुवार को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

-NDA की बड़ी बैठकें पूरी, मंत्रिमंडल पर सबकी नजरें

पटना । बिहार की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 20 नवंबर, गुरुवार को सुबह 11:30 बजे पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने इसकी आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि शपथ ग्रहण समारोह भव्य और राष्ट्रीय स्तर का होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों के साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और अन्य विशिष्ट अतिथि भी मौजूद रहेंगे।

जदयू विधायक दल की बैठक में नीतीश बने नेता-

बुधवार को सीएम हाउस में जदयू के विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को जदयू विधान मंडल दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही यह लगभग स्पष्ट हो गया कि NDA की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा एक बार फिर नीतीश ही रहेंगे। जदयू के अंदरूनी समीकरण और राजनीतिक स्थिति को देखते हुए पार्टी ने नीतीश के अनुभव और स्वीकार्यता को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया है। इस बैठक में जदयू के सभी प्रमुख नेता मौजूद रहे।

BJP भी चुनेगी अपना विधायक दल का नेता-

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी भी अपने विधायक दल की बैठक करेगी, जिसमें वह अगले नेता का चयन करेगी। भाजपा का यह चयन आगे बनने वाली सरकार की संरचना, मंत्रिमंडल के आकार और विभागों के बंटवारे में अहम भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि जदयू कोटे से करीब 13 मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। वहीं भाजपा और सहयोगी दलों के कोटे से भी उचित संतुलन के साथ मंत्रिमंडल तैयार किया जाएगा ताकि NDA की मजबूत और स्थिर सरकार बनाई जा सके।

सेंट्रल हॉल में होगी NDA विधायक दल की बड़ी बैठक-

शाम 3:30 बजे बिहार विधानसभा के सेंट्रल हॉल में NDA के सभी दलों की संयुक्त बैठक होगी। इस बैठक में भाजपा, जदयू, एलजेपी (राम विलास), हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) और RLAM के कुल 202 विधायक शामिल रहेंगे। बैठक में प्रमुख नेताओं—नीतीश कुमार, चिराग पासवान, संतोष सुमन, उपेंद्र कुशवाहा, सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा—की उपस्थिति रहेगी। सभी दलों के विधायक अपने-अपने दल के नेता के नाम प्रस्तावित करेंगे, जिसके बाद NDA की तरफ से नीतीश कुमार को औपचारिक रूप से विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा होगी।

इस्तीफा और दावा—दोनों प्रक्रियाएं एक साथ

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात के दौरान वे मौजूदा सरकार का औपचारिक इस्तीफा सौंपेंगे और साथ ही नई सरकार गठन का दावा भी पेश करेंगे। यह पूरी प्रक्रिया बुधवार शाम तक पूरी हो जाएगी।

20 नवंबर को होगा शपथ ग्रहण समारोह-

20 नवंबर को होने वाला शपथ ग्रहण समारोह बिहार की राजनीति के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। गांधी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में केंद्रीय नेतृत्व, राज्यों के मुख्यमंत्री, पद्म पुरस्कार प्राप्त हस्तियाँ, साहित्यकार, वैज्ञानिक और विभिन्न क्षेत्रों के सम्मानित व्यक्ति शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित शीर्ष नेतृत्व के आने से इस कार्यक्रम का महत्व और बढ़ जाता है।

लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल अमेरिका से डिपोर्ट

-सलमान फायरिंग और मूसेवाला मर्डर में वांटेड

नई दिल्ली । अमेरिका से भारत डिपोर्ट किए जा रहे लोगों की एक सूची ने देश की सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसी सूची में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल बिश्नोई भी शामिल है, जो कई बड़े हाई-प्रोफाइल मामलों में वांटेड है। माना जा रहा है कि अनमोल को बुधवार सुबह दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर भारत लाया जाएगा। अमेरिका ने हाल ही में कुल 200 लोगों को डिपोर्ट किया है, जिनमें से तीन भारतीय हैं—इनमें दो पंजाब के और एक अनमोल है।

सलमान खान के घर फायरिंग केस में मुख्य आरोपी-

अप्रैल 2024 में मुंबई स्थित बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग की घटना हुई थी। इस वारदात ने पूरे देश को हिला दिया था। जांच में सामने आया कि इस फायरिंग की प्लानिंग अनमोल बिश्नोई ने विदेश में बैठकर की थी। पुलिस के अनुसार, फायरिंग में इस्तेमाल हथियार और शूटरों के चयन तक में उसका हाथ था। इसी कारण वह इस केस में वांटेड चल रहा है और उसके खिलाफ कई वारंट जारी हैं।

बाबा सिद्दीकी की हत्या में भी नाम-

सलमान खान के बेहद करीबी माने जाने वाले NCP नेता बाबा सिद्दीकी की पिछले साल मुंबई में हत्या कर दी गई थी। इस हाई-प्रोफाइल मर्डर मामले में भी अनमोल का नाम सामने आया था। जांच एजेंसियों ने पाया कि घटना के पीछे लॉरेंस गैंग की बड़ी साजिश थी और इसका संचालन विदेश में रहकर अनमोल कर रहा था। इसी केस में उसकी भूमिका को देखते हुए एजेंसियों ने उसकी तलाश तेज की थी।

सिद्दू मूसेवाला मर्डर केस से कनेक्शन-

2022 में पंजाबी सिंगर सिद्दू मूसेवाला की हत्या ने पूरे पंजाब और देश को झकझोर दिया था। इस हत्या के बाद जो कॉल डिटेल्स और बातचीत सामने आईं, उनमें अनमोल बिश्नोई का नाम प्रमुख रूप से शामिल था। बताया जाता है कि मूसेवाला की रेकी, शूटर्स तक पहुंच और हमले की मंजूरी के पीछे अनमोल की भूमिका थी। इस वजह से वह NIA और पंजाब पुलिस दोनों की वांटेड लिस्ट में शामिल रहा।

अवैध तरीके से अमेरिका में घुसा था-

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनमोल पिछले कुछ समय से अमेरिका में छिपा हुआ था। उसने वहां अवैध तरीके से एंट्री की थी, जिसके चलते अमेरिकी एजेंसियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच के बाद तय हुआ कि उसे भारत डिपोर्ट किया जाएगा। भारत सरकार ने भी आधिकारिक रूप से उसके प्रत्यर्पण और पूछताछ में रुचि दिखाई थी।

NIA की वांटेड लिस्ट में नाम, ₹10 लाख इनाम-

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने अनमोल को अपनी मोस्ट वांटेड लिस्ट में रखा था। उसके ऊपर एजेंसी ने ₹10 लाख का इनाम भी घोषित किया हुआ है।

भागवत बोले: भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की जरूरत नहीं

-'हिंदू' शब्द सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक

गुवाहाटी । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत और हिंदू एक ही भाव के प्रतीक हैं, और यह संबंध किसी राजनीतिक या कानूनी घोषणा से नहीं, बल्कि हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता और सांस्कृतिक परंपरा से स्वतः परिभाषित होता है। उनके अनुसार, "जो व्यक्ति भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू है।" भागवत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि 'हिंदू' शब्द किसी धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक और सभ्यतागत पहचान है। भागवत सोमवार को अपनी तीन दिवसीय यात्रा के तहत असम की राजधानी गुवाहाटी पहुँचे थे। उन्होंने विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया और आज यानी बुधवार को एक युवा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। 20 नवंबर को वे मणिपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। अपने संबोधन में उन्होंने उत्तर-पूर्व क्षेत्र को भारत की एकता में विविधता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। भागवत के अनुसार, यह क्षेत्र भौगोलिक, भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद राष्ट्रीय एकता का मजबूत स्तंभ है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति में जो समृद्धि, सामूहिकता और आत्मगौरव है, वह पूरे देश को प्रेरित करता है। भागवत ने असम में हो रहे डेमोग्राफिक बदलाव पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि देश में हो रहे किसी भी परिवर्तन को समझने के लिए आत्मविश्वास, सतर्कता और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहरे जुड़ाव की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी मिट्टी, अपने इतिहास और अपनी परंपराओं को समझें और उनसे ऊर्जा लेकर भविष्य के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर निस्वार्थ भाव से कार्य करना चाहिए। समाज में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि सभी लोग मिलकर राष्ट्र के हित में कार्य करें, यही भारत की वास्तविक शक्ति है। भागवत ने असम के महान योद्धा लचित बोरफुकन और संत-विद्वान श्रीमंत शंकरदेव के योगदान का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये व्यक्तित्व केवल किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का हिस्सा हैं। लचित बोरफुकन की वीरता और शंकरदेव की आध्यात्मिक व सामाजिक शिक्षाएं आज भी हर भारतीय को प्रेरणा देती हैं। अपनी बात समाप्त करते हुए भागवत ने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति इतनी व्यापक और उदार है कि वह स्वयं ही राष्ट्र की पहचान बन जाती है। इसे किसी सरकारी घोषणा की जरूरत नहीं होती। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अपने देश, समाज और संस्कृति पर गर्व महसूस करें और मिलकर एक सशक्त, समृद्ध और सामंजस्यपूर्ण भारत के निर्माण में योगदान दें।

सऊदी मदद से बसाएगा ग़ाज़ा

-ट्रम्प ने खशोगी केस में MBS को दी क्लीन चिट

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (MBS) ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ग़ाज़ा को फिर से बसाने यानी री-कंस्ट्रक्शन में आर्थिक रूप से मदद करेगा। MBS ने कहा कि ग़ाज़ा की तबाही बेहद दर्दनाक है और मानवीय आधार पर सऊदी अरब अपना योगदान देगा। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि कुल कितनी राशि या किस चरण में यह आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि इस पर विशेषज्ञ टीमें काम कर रही हैं और आगे इसकी रूपरेखा तय की जाएगी। यह घोषणा ऐसे समय आई है जब ग़ाज़ा में युद्ध के बाद बड़े पैमाने पर ढांचा नष्ट हो चुका है—हज़ारों घर, अस्पताल, स्कूल और बाजार खंडहर में बदल गए हैं। ग़ाज़ा के पुनर्निर्माण के लिए अरब दुनिया से बड़ी उम्मीदें लगी थीं, और सऊदी अरब का यह बयान कूटनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है। इससे क्षेत्र में सऊदी अरब की नेतृत्वकारी भूमिका और भी मजबूत होती है। दूसरी ओर, पत्रकार जमाल ख़शोगी की हत्या वाले मामले पर ट्रम्प का बयान दोनों देशों की नज़दीकियों का संकेत देता है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि क्राउन प्रिंस को इस घटना की कोई जानकारी नहीं थी और किसी भी तरह की प्रत्यक्ष संलिप्तता का सबूत उनके पास नहीं है। यह बयान अमेरिकी राजनीतिक हलकों में पहले ही विवाद का विषय बना हुआ है, क्योंकि अमेरिकी खुफिया एजेंसियां कई बार संकेत दे चुकी हैं कि खशोगी की हत्या बिना उच्च स्तर की मंजूरी के मुमकिन नहीं थी। ट्रम्प का यह रुख सऊदी अरब के साथ अमेरिकी रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ऊर्जा, हथियार सौदे और मध्य-पूर्व में राजनीतिक प्रभाव—ये सभी पहलू अमेरिका-सऊदी समीकरण को बेहद महत्वपूर्ण बनाते हैं। कुल मिलाकर, ग़ाज़ा पुनर्निर्माण में सऊदी प्रतिबद्धता की ओर इशारा करती हैं।

नीतीश कुमार फिर बने बिहार के CM: सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा होंगे डिप्टी CM

-शपथ से पहले NDA में बढ़ी हलचल

पटना । बिहार की राजनीति में बुधवार का दिन बेहद अहम रहा। नीतीश कुमार कल यानी गुरुवार को दोपहर 1.30 बजे गांधी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उसके ठीक एक दिन पहले पटना में तेज़ राजनीतिक गतिविधियाँ नज़र आईं। बुधवार सुबह 11 बजे बीजेपी कार्यालय में विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना गया। वहीं विजय सिन्हा को विधानमंडल दल का उपनेता बनाया गया। इसके साथ ही साफ हो गया है कि नई सरकार में सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ही डिप्टी सीएम की कुर्सी संभालेंगे। नीतीश कुमार के एक बार फिर सत्ता में आने के साथ ही बीजेपी की भूमिका बेहद ताकतवर दिख रही है। यही वजह है कि शपथ ग्रहण से पहले ही भाजपा नेताओं के तेवर और सक्रियता बढ़ गई है। थोड़ी देर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पटना पहुंचने वाले हैं। वे पहले नीतीश कुमार से मुलाकात करेंगे, उसके बाद बीजेपी नेताओं के साथ अहम बैठक करेंगे। इस बैठक में मंत्रियों की अंतिम सूची तैयार होने की संभावना है। माना जा रहा है कि भाजपा अपने मजबूत प्रदर्शन और मौजूदा राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए मंत्रालयों में पर्याप्त हिस्सेदारी चाहेगी। दोपहर 3.30 बजे विधानसभा के सेंट्रल हॉल में NDA की बैठक भी होगी, जिसमें सभी घटक दल शामिल होंगे और सरकार के गठन को लेकर अंतिम सहमति बनाई जाएगी। इस बार चुनाव परिणामों ने NDA को व्यापक बढ़त दी है और उसी के मुताबिक सत्ता-साझेदारी का फ़ॉर्म्युला तैयार किया जा रहा है। इधर, एनडीए के घटक दल LJP (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान भी इस बार सत्ता में बड़ी भागीदारी चाहते हैं। सूत्रों के अनुसार, चिराग पासवान ने 2 मंत्री पदों के साथ-साथ डिप्टी सीएम का पद भी मांगा है। वे अपने बहनोई अरुण भारती का नाम डिप्टी सीएम पद के लिए आगे बढ़ा सकते हैं। चिराग की पार्टी ने इस बार विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 सीटें जीती हैं। सीटों की इस मज़बूत संख्या का फायदा उठाकर चिराग सरकार में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहते हैं। चिराग का यह रुख भाजपा के लिए चुनौती भी है और अवसर भी। चुनौती इसलिए क्योंकि दो डिप्टी सीएम पहले से तय हो चुके हैं, और अवसर इसलिए क्योंकि चिराग की नाराज़गी से बचना NDA के लिए ज़रूरी है। बिहार की राजनीति में गठबंधन का गणित बेहद संवेदनशील रहा है, इसलिए प्रत्येक दल की संतुष्टि जरूरी मानी जाती है। पटना की सड़कों पर भी सियासी हलचल का असर साफ दिख रहा है। जगह-जगह पोस्टर लगे हैं जिनमें लिखा गया है— "बिहार का शेर, नीतीश कुमार"। इससे साफ है कि जेडीयू भी यह दिखाना चाहती है कि नीतीश अब भी बिहार की राजनीति के सबसे केंद्रीय और प्रभावशाली नेता हैं। कुल मिलाकर, नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण से पहले बिहार की राजनीति गरम है। सारे दल अपनी-अपनी ताकत और सीटों के हिसाब से सत्ता में ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी मांग रहे हैं।

चीन पर भारत-पाकिस्तान जंग का फायदा उठाने का आरोप

-अमेरिकी रिपोर्ट में दावा-राफेल की ब्रिकी रोकने फर्जी AI तस्वीरों का इस्तेमाल किया

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। यह आरोप अमेरिकी यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमिशन (USCC) की ताज़ा रिपोर्ट में सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच मई में हुए सैन्य तनाव का चीन ने सूचना युद्ध (Information Warfare) के रूप में इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष के तुरंत बाद चीन से जुड़े कई फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स सक्रिय हुए, जिनका उद्देश्य माहौल को प्रभावित करना और भारत के आधुनिक सैन्य हथियारों की छवि को कमजोर करना था। रिपोर्ट कहती है कि चीन ने इस अवधि में खासतौर पर राफेल लड़ाकू विमान को निशाना बनाया। फ्रांस से भारत ने जिन राफेल जेट्स की खरीद की है, उनका एशिया में संतुलन पर बड़ा असर माना जाता है। चीन की चिंता यह भी है कि राफेल की मौजूदगी से दक्षिण एशिया में भारत की हवाई क्षमता बहुत बढ़ जाती है। इसी संदर्भ में चीन कथित तौर पर AI-जनरेटेड फर्जी तस्वीरों का उपयोग कर रहा था, जिन्हें सोशल मीडिया पर 'लीक' या 'ग्राउंड रिपोर्ट' बताकर फैलाया गया। इन नकली तस्वीरों में दिखाया गया कि भारतीय राफेल विमान को चीन के हथियारों ने मार गिराया, और उसके 'मलबे' की तस्वीरें पोस्ट की गईं। रिपोर्ट के मुताबिक ये तस्वीरें पूरी तरह AI से बनाई गई थीं और किसी वास्तविक घटना से इनका कोई संबंध नहीं था।

मॉस्को में SCO बैठक

-पुतिन से मिले जयशंकर, आतंकवाद पर भारत का सख़्त संदेश

मॉस्को (एजेंसी)। मॉस्को में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय सहयोग, क्षेत्रीय स्थिरता और आतंकवाद के बढ़ते ख़तरे पर गहन चर्चा हुई। जयशंकर ने पुतिन के साथ वार्ता के दौरान आतंकवाद पर भारत का दृढ़ और साफ़ रुख रखा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि "आतंकवाद के लिए कोई बहाना नहीं हो सकता", चाहे वह किसी भी रूप में सामने आए। भारत ने हमेशा आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा माना है और विश्व समुदाय से इसके खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करने की अपील की है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है। जयशंकर ने यह भी याद दिलाया कि SCO की स्थापना का मूल उद्देश्य ही आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से सामूहिक रूप से मुकाबला करना था। लेकिन आज ये चुनौतियाँ पहले से कहीं अधिक गंभीर और जटिल हो चुकी हैं। उन्होंने संगठन के सदस्य देशों से आग्रह किया कि वे जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएँ और किसी भी देश या समूह द्वारा आतंकवाद को शह देने के प्रयासों का विरोध करें। भारत ने SCO मंच को क्षेत्रीय सहयोग, आपसी विश्वास और सुरक्षा के लिए प्रभावी माध्यम बताया। जयशंकर ने रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी को भी महत्वपूर्ण बताया।

272 रिटायर्ड जजों-ब्यूरोक्रेट्स का राहुल गांधी पर बड़ा आरोप:

-कांग्रेस चुनाव आयोग की साख कमजोर कर रही है

नई दिल्ली । देशभर के 272 से अधिक रिटायर्ड जजों, ब्यूरोक्रेट्स और सैन्य अधिकारियों ने बुधवार को एक ओपन लेटर जारी कर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की तीखी आलोचना की है। इस पत्र पर कुल 16 पूर्व न्यायाधीश, 123 सेवानिवृत्त ब्यूरोक्रेट—जिनमें 14 पूर्व राजदूत भी शामिल हैं—और 133 रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों के हस्ताक्षर हैं। पत्र का मुख्य आरोप यह है कि कांग्रेस पार्टी चुनाव आयोग (EC) जैसी संवैधानिक संस्था की छवि को लगातार कमजोर करने की कोशिश कर रही है, जिससे देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर अनावश्यक अविश्वास फैल रहा है।

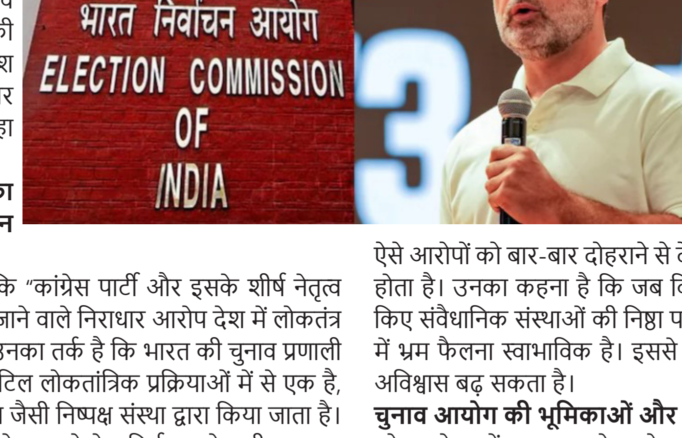

संवैधानिक संस्थाओं का अवमूल्यन चिंताजनक: ओपन लेटर-

ओपन लेटर में कहा गया है कि "कांग्रेस पार्टी और इसके शीर्ष नेतृत्व द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए जाने वाले निराधार आरोप देश में लोकतंत्र की नींव को हिला सकते हैं।" उनका तर्क है कि भारत की चुनाव प्रणाली विश्व की सबसे विशाल और जटिल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में से एक है, जिसका संचालन चुनाव आयोग जैसी निष्पक्ष संस्था द्वारा किया जाता है। ऐसे में बार-बार बिना साक्ष्य आरोप लगाने से न सिर्फ आयोग की साख पर प्रश्नचिह्न लगता है, बल्कि जनता के मन में भ्रम और अविश्वास भी पैदा होता है। पत्र में यह भी उल्लेख है कि राजनीतिक दलों में मतभेद स्वाभाविक हैं और स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक भी; लेकिन संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करने की राजनीति देशहित के खिलाफ है। इस तरह की प्रवृत्ति से चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह पैदा हो सकता है, जो अंततः लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है।

राहुल गांधी के आरोपों पर सीधे सवाल-

गौरतलब है कि राहुल गांधी हाल के दिनों में चुनाव आयोग पर लगातार आरोप लगा रहे हैं। वे अब तक तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 'वोट चोरी' की बात उठा चुके हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि चुनाव आयोग "मोदी सरकार की B टीम" की तरह काम कर रहा है और बीजेपी के साथ मिलकर कथित रूप से वोटों की चोरी कर रहा है। उनके ये बयान विपक्षी राजनीति की रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं, लेकिन सत्ता पक्ष और कई पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इसे लोकतांत्रिक संस्थानों पर हमला बताया जा रहा है। रिटायर्ड अधिकारियों के इस समूह ने पत्र में राहुल के बयानों पर चिंता जताते हुए लिखा है कि ऐसे आरोपों को बार-बार दोहराने से देश का राजनीतिक माहौल विषाक्त होता है। उनका कहना है कि जब विपक्ष का शीर्ष नेता बिना तथ्य पेश किए संवैधानिक संस्थाओं की निष्ठा पर सवाल उठाता है, तो आम जनता में भ्रम फैलना स्वाभाविक है। इससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर अविश्वास बढ़ सकता है।

चुनाव आयोग की भूमिकाओं और विश्वसनीयता पर ज़ोर-

ओपन लेटर में चुनाव आयोग को भारत की चुनाव प्रणाली का "सबसे अहम स्तंभ" करार दिया गया है। पत्र के अनुसार, चुनाव आयोग ने दशकों से कठिन परिस्थितियों में भी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की अपनी भूमिका को मजबूती से निभाया है। भारत जैसा विशाल देश—जहां हर चुनाव में करोड़ों लोग मतदान करते हैं— में निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करना आसान कार्य नहीं है। आयोग पर इस तरह के आरोप उसकी मेहनत और विश्वसनीयता को आहत करते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,